स्थापित 1968

अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा का मुख पत्र

₹5

श्री पल्लीवाल जैन पत्रिका

सामाजिक चेतना एवं जागरुकता के लिये सजग मासिक पत्रिका

(पल्लीवाल, जैसवाल, सैलवाल सम्बन्धित जैन समाज)

अंक 7 ✦ 25 जनवरी 2019 ✦ वर्ष 7 ✦ कुल पृष्ठ 44 ✦ मूल्य ₹5

विधवाओं को रोजगार व आर्थिक सहयोग

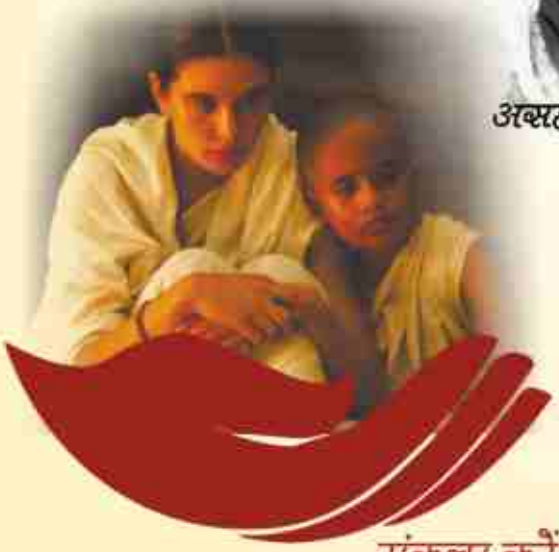

अंसहाय का सहारा बने

धन के अभाव में कोई अशिक्षित न रहे

संकल्प करें, आव्हान करें।
सहयोग करें॥

अपना हित : विकसित समाज

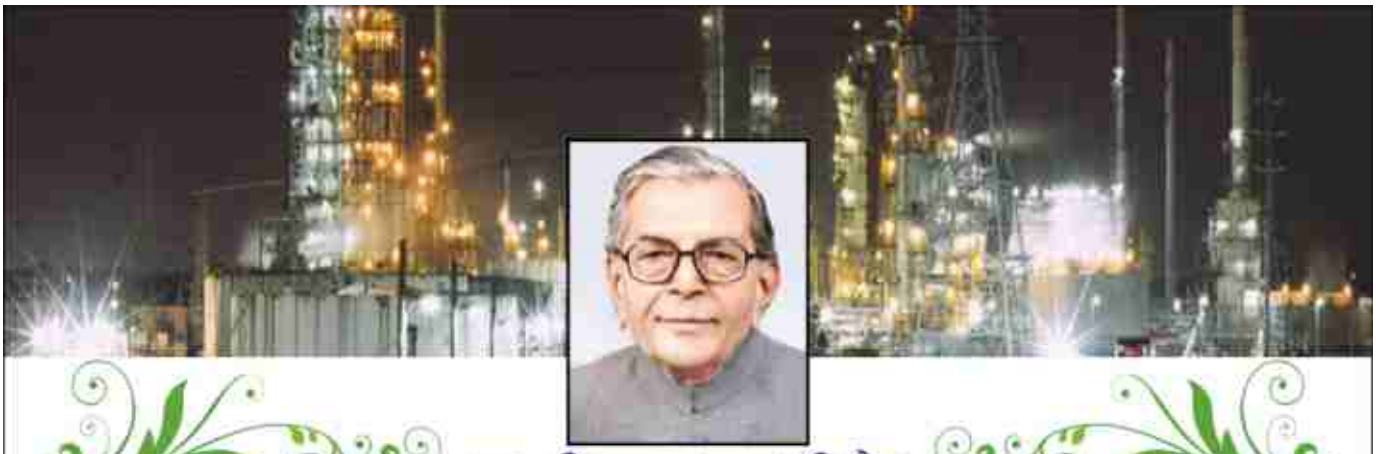

स्व. श्री स्वरूप चन्द जी जैन

सादर श्रृद्धांजलि

MARSON'S

ISO 9001:2000 CERTIFIED COMPANY

ENERGY DISTRIBUTION SOLUTIONS

WINNER OF :

- ★ TOP EXPORTER AWARD FROM EASTERN REGION (2005-2006) GOLD TROPHY
- ★ STAR PERFORMANCE (YEAR 2004-2005, 2005-2006)
- ★ BHARATIYA UDYOG RATAN (GOLD MEDAL) YEAR-2002
- ★ AWARD FOR EXPORT EXECLLENCE (YEAR- 2000-01, 2001-02, 2003-04)
- ★ AWARD FOR NATIONAL PRODUCTIVITY (YEAR-1994-65)

MARSON'S ELECTRICAL INDUSTRIES

(Prop. MEI Power Pvt. Ltd.)

www.marsonselectricals.com • E-mail : info@marsonselectricals.com
1/189, Delhi Gate, Civil Lines, Agra-282002 (India)
Ph : +91-562-2520027, 2850812 • Fax : +91-562-2851306

Works :

Mathura Road, Artoni, Agra - 282007 (India)
Ph : +91-2641448, 2642327-28 • Fax : +91-562-2641435

TRANSFORMERS EXPORTED TO OVER 15 COUNTRIES

सामाजिक चेतना एवं जागरुकता के लिये सजग

श्री पल्लीवाल जैन पत्रिका

अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा का मुख पत्र

(पल्लीवाल, जैसवाल, सैलवाल सम्बन्धित जैन समाज)

email : shripalliwaljain.patrika@gmail.com

स्थापित 1968

अंक 7 ✦ 25 जनवरी 2019 ✦ वर्ष 7

मूल्य ₹ 5/-

कुल पृष्ठ : 44

पूर्व प्रकाशन मथुरा से, सम्प्रति जयपुर से प्रकाशित

महासभा पदाधिकारी

श्री आर.सी. जैन *(अध्यक्ष)*
(सेवानिवृत्त आई.ए.एस.)
एन-19, आदिनाथ नगर, जे.एल.एन. मार्ग,
जयपुर (राज.)-302018
मोबा. : 9414279070, 9829999335
E-mail : rcjainras@gmail.com

श्री राजीव रतन जैन *(महामंत्री)*
301-ए, सुख सागर अपार्टमेन्ट, 4, जानकी नगर मेन,
इन्दौर (म.प्र.)-452001, मोबा.: 9425110204
E-mail : jainrajeevratan@gmail.com

श्री अजीत जैन *(अर्थमंत्री)*
1द39, काला कुंआ हा.बोर्ड, अलवर (राज.)-301002
फोन : 0144-2360115, मोबा.: 9413272178
E-mail : akjain2021@yahoo.in

पत्रिका प्रबन्ध एवं सम्पादक मण्डल

डॉ. अनुपम जैन *(परामर्शदाता)*
'ज्ञानछाया', डी-14, सुदामानगर, इन्दौर-452009
फोन : 0731-2797790, मोबा.: 9425053822
E-mail : anupamjain3@rediffmail.com

श्री चन्द्रशेखर जैन *(संयोजक)*
86, मगन विला, श्री विहार कॉलोनी, होटल क्लार्क
आमेर के पीछे, जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर-302018
फोन : 0141-2553272, मोबा.: 9829134926
E-mail : csjain30@yahoo.co.in

श्री प्रकाश चन्द जैन *(सम्पादक)*
78, बैंक कॉलोनी, महेश नगर विस्तार ''बी''
गोपालपुरा बाईपास, जयपुर-302015
मोबा.: 9828374013
E-mail : pcjain49@gmail.com

श्री पारस जैन गहनौली *(सह-सम्पादक)*
बी-204बी, 10-बी स्कीम, गोपालपुरा बाईपास,
जयपुर-302018, मोबा.: 9928715869

श्री महेश चन्द जैन *(अर्थ संयोजक)*
36-सी, कृष्णा विहार विस्तार, गोपालपुरा बाईपास,
जयपुर-302015, मोबा.: 9828288830
E-mail : 3466mahesh@gmail.com

संयोजक की कलम से....

अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा एवं समस्त पल्लीवाल जैन समाज के लिए अत्यन्त दुःखद संयोग रहा कि जनवरी माह में हमे महासभा के दो पूर्व महामंत्री श्री सुरेश चन्द जी जैन दिल्ली एवं श्री राजेन्द्र व्रसाद जी जैन मथुरा के निधन के समाचार ने स्तब्ध कर दिया।

श्री सुरेश चन्द जी जैन द्वारा महासभा के प्रारम्भिक काल में समाज को एक नई दिशा एवं सोच देने के साथ-साथ महासभा की प्रगति में आपके उल्लेखनीय प्रयासों को सदैव याद किया जाता रहेगा।

श्री राजेन्द्र प्रसाद जी जैन मथुरा ने महासभा के महामंत्री के पश्चात् श्री पल्लीवाल जैन पत्रिका के संयोजक के रूप में एक अनुकरणीय कार्य किया। समाज की विभिन्न परिस्थितियों एवं क्षेत्रिय दबाव के पश्चात भी उन्होने मथुरा से पत्रिका प्रकाशन कर समाज को संगठित करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। याद है कि मुझे वह दिन जब उनसे मथुरा में पत्रिका का चार्ज ग्रहण करने गया था तो उनका एक ही सपना था कि चन्द्रशेखर जी आप पत्रिका का प्रकाशन अच्छी तरह कर सकोगे ना और चिन्ता की लकीर उनके मस्तिष्क पर साफ नजर आ रही थी। लेकिन हमने भी उनके सपने को चार चाँद लगाने का सम्पूर्ण प्रयास किया और अप्रेल 2012 से विश्वासरूपी दीपक को प्रज्ज्वलित करके उसकी रोशनी सर्वत्र प्रकाशित कर रहे हैं।

श्री सुरेश चन्द जी जैन दिल्ली एवं श्री राजेन्द्र प्रसाद जी जैन मथुरा के निधन से समाज को जो अपूरणीय क्षति हुई है उसकी भरपाई होना मुश्किल है। भगवान महावीर दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करे एवं दुःख की इस घड़ी में सभी परिवारजनों को शक्ति प्रदान करे।

आपको भावभीनी श्रद्धांजलि के साथ...

-चन्द्रशेखर जैन

पत्रिका में प्रकाशित लेख एवं विचारों से सम्पादक मण्डल का सहमत होना आवश्यक नहीं है।
यह लेखकों के निजी विचार माने जाने चाहिये।

भावभीनी श्रृद्धांजलि

पूजनीय पिताजी स्व. श्री प्यारेलाल जी जैन चौधरी
श्रद्धेय माताजी स्व. श्रीमती असरफी देवी जी जैन
(मूल निवासी - मौजपुर, अलवर)

स्व. श्रीमती इन्दु जी जैन
(धर्मपत्नी श्री पदम चन्द जैन)
(स्वर्गवास : 30.12.2018)

हम सभी परिवार के सदस्य सादर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुये भगवान वीर से उनकी चिर आत्मीय शांति की प्रार्थना करते हैं।

श्रद्धावनत

पुत्र :
पदम चन्द जैन
पौत्र-पौत्रवधु :
पारस जैन-रश्मि जैन,
पौत्री-दामाद :
डिम्पल-राजेश जैन
सिम्पल-नितिन जैन
प्रिती-उत्तम कोठारी
पड़पोत्री-पौत्र :
चेल्सी जैन-अक्षत जैन

पुत्र :
अनूप चन्द जैन
पौत्र-पौत्रवधु :
हेमन्त जैन-मधु जैन
पौत्री-दामाद :
सुनिता-सुनिल
अनिता-परवेश
विनिता-प्रताप
पड़पौत्र :
रोबीन-मानस

निवासः- बी-52, कीर्ति नगर, टोंक रोड, जयपुर
फोन : 0141-2706317, 9829066317, 9414055855

रजि. सं. 237/69-70

अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा

स्थापित 1968

महामंत्री कार्यालय : 301-ए, सुख सागर अपार्टमेन्ट, 4, जानकी नगर मेन, इन्दौर (म.प्र.)
मोबा.: 9425110204

मिटिंग की सूचना

अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा की केन्द्रीय कार्यकारिणी की तृतीय बैठक निम्नांकित विवरणानुसार आयोजित है।

बैठक का दिन एवं दिनांक : रविवार, 3 मार्च 2019

बैठक का स्थान : श्री जम्बूस्वामी दिगम्बर जैन मंदिर,
सिद्ध क्षेत्र चौरासी, कृष्णा नगर, मथुरा

बैठक का समय : प्रात: 10:30 बजे

कृपया निर्धारित समय एवं स्थान पर बैठक में उपस्थित होकर अनुगृहीत करें।

गणपूर्ति के अभाव में स्थगित कार्यकारिणी की बैठक एक घंटे के उपरान्त पुन: इसी स्थान पर प्रारम्भ की जायेगी।

मीटिंग की कार्यसूची निम्नवत है :-

1. मंगलाचरण
2. 2 दिसम्बर 2018 को आगरा में सम्पन्न मीटिंग की कार्यवाही की पुष्टि।
3. अखिल भारतीय दूरभाष निर्देशिका तैयार करने हेतु विचार।
4. महासभा की वेबसाइट www.palliwaljain.com को प्रोजेक्टर पर दिखाना।
5. संविधान संशोधन कमेटी बनाना।
6. अन्य विषय अध्यक्ष महोदय की अनुमति से।
7. शांतिपाठ।

मिटिंग के पश्चात् समस्त केन्द्रीय कार्यकारिणी सदस्यों का ग्रुप फोटो होगा।

समस्त कार्यकारिणी सदस्य, सभी शाखाओं के अध्यक्ष, मंत्री, संरक्षक एवं विशेष आमंत्रित सदस्यों की उपस्थिती प्रार्थनीय है।

अध्यक्ष के आदेशानुसार

(राजीव रतन जैन)
राष्ट्रीय महामंत्री

सम्पर्क सूत्र :-

1. श्री जयप्रकाश जैन	केन्द्रीय कार्यकारिणी : अ.भा.प.जैन महासभा	**मो.: 9997570006**
2. श्री महावीर प्रसाद जैन	संरक्षक : अ.भा.प.जैन महासभा शाखा मथुरा	**मो.: 9897059922**
3. श्री विरेन्द्र जैन	अध्यक्ष : अ.भा.प.जैन महासभा शाखा मथुरा	**मो.: 9837022098**
4. श्री जम्बूस्वामी दिगम्बर जैन मंदिर, चौरासी मथुरा		**मो.: 9359739090**

नोट :- *दिनांक 2 मार्च 2019 को पधारने वाले महानुभावों के ठहरने की व्यवस्था मीटिंग स्थल पर उपलब्ध है।*

समतावाद की परिकल्पना

मानवजाति की यह विडम्बना है कि सर्व मानव समता की बात करते हुए भी मानव–मानव के बीच भेद ढूंढने में कोई भी प्रयास बाकी नहीं छोड़ा गया। यह भेद जाति भेद, लिंग भेद, धर्मभेद आदि–आदि भिन्न–भिन्न प्रकार के भेदों में प्रकट हुआ। रंग भेद अर्थात् काले–गोरे का भेद, यह दक्षिण अफ्रीका में चरम पर पहुँचा जहाँ गोरे लोगों ने काले लोगों को कोई भी गरिमामय अधिकार इसलिए नहीं दिया कि उनकी चमडी का रंग काला है। जाति भेद, ऊंची–नीची जातियों का भेद, भारत में उच्चवर्ण के लोगों को केवल अपनी पैदाइश से ही ऊँचा और निम्नवर्ण को नीचा माना गया। नीची जाति में पैदा हुए तो उनके सारे अधिकार छिन गए, केवल कर्त्तव्य रह गए। इस घृणित परम्परा की चरम परिणति हुई अस्पृश्यवाद में। जहाँ मानवता के एक बड़े हिस्से को अछूत का दर्जा दे दिया गया। स्त्री–पुरुष के बीच विकराल असमानता है। स्त्री को अनावश्यक रुप से पुरुष से निचले स्तर पर मानने की मानसिकता और वैसा व्यवहार। धर्म के अनुसार भेद होता है। यह दूसरा धर्म मानता है इसलिए यह हमसे निचले स्तर का है। अमीर–गरीब का भेद जहाँ धनवान स्वयं को केवल इसलिए श्रेष्ठ मानता है कि वह सम्पत्तिवान है। निर्धन केवल निर्धन होने से ही हीन हो गया। मानवजाति में ऐसे अनेक विभेदीकरण देखे जा सकते हैं जो पूर्णतया कृत्रिम हैं, जिनका मनुष्य पर केवल आरोपण किया गया है।

जब मानव–मानव के बीच इस प्रकार का भेद किया जा रहा हो तो मानवीय जीवन में समता और एकता की स्थापना बहुत ही दुष्कर कार्य है। विभिन्न सरकारों द्वारा कानून बनाकर रंग, जाति, लिंग आदि कृत्रिम भेदों को मिटाने की कोशिश भी की है। परन्तु इसका असर बहुत ही सतही रहा है। वस्तुतः सूरत ही नहीं सीरत भी बदलनी चाहिए। व्यक्ति का व्यवहार ही नहीं अन्तरात्मा भी बदलनी चाहिए। बदलाव बाहरी दबाव से नहीं वरन। आन्तरिक स्वेच्छा से आना चाहिए।

जिनशासन के उज्वल सिद्धान्त मानवीय जीवन में आत्मिक एकता के आधार पर समता सिद्धान्त का पोषण करते हैं। जीव की समानता मानवीय जीवन में समता सिद्धान्त की ओर जैन दर्शन का प्रस्थान बिन्दु है। सभी जीव (जीव का यहाँ एक अर्थ आत्मा भी है) समान है तो मानव–मानव में भेद क्यों ? भेद केवल ऊपरी हो सकता है परन्तु मूल सबका समान है। सभी जीव अनन्त चतुष्टधारी हैं। सभी जीवों में दर्शन, ज्ञान, वीर्य और आनन्द अनन्त रुप से विद्यमान है। जब सब मानवों में जीव विद्यमान है और वह जीव समान है तो लिंग, रंग, जाति आदि भेद तिरोहित हो जाते हैं। सभी मनुष्यों की आत्माएँ समान हैं आत्मिक दृष्टि से एक होने पर सभी मनुष्य चाहे वे किसी भी जाति, धर्म, सम्प्रदाय, रंग, क्षेत्र के हों सभी समान है। मनुष्य की आत्मिक एकता उन्हें जाति, धर्म, क्षेत्र से ऊपर उठा देती है।

जीव अनन्त चतुष्टधारी है परन्तु कर्म पुद्गलों के कारण बंधन में पडा है। इन कर्म पुद्गलों का नाश करने की सबमें क्षमताएँ हैं और इन कर्म पुद्गलों का नाश करके आत्मा परमात्मा के रुप में परिणित हो जाता है। यह समता का सर्वोच्च दृष्टिकोण है कि सभी आत्माएँ परमात्मा बनने योग्य है।

व्यावहारिक रुप से देखा जाए तो जैन दर्शन में इस सिद्धान्त को अत्यन्त महत्त्व दिया। जैन धर्म में सभी व्यक्तियों को साधु बनने की स्वीकृति प्रदान की है। यहाँ किसी भी जाति, धर्म, लिंग, क्षेत्र भेद को प्रश्रय नहीं दिया है। लिंग भेद पर सर्वोच्च प्रहार इस तथ्य से होता है कि जैन धर्म में एक तीर्थंकर स्त्री भी है।

अहिंसा की उच्च धारणा भी जैन धर्म के समतावादी दृष्टिकोण का प्रतिपादन करती है। अहिंसा का तात्पर्य है मन, वचन, कर्म किसी भी प्रकार से, किसी भी प्राणी को हानि या नुकसान नहीं पहुँचाना। ऐसा समाज जो ऊँच–नीच, छोटे–बडे, अमीर–गरीब, छुआछूत के भेद को मानता है वहाँ ऐसी उच्च धारणा को कोई स्थान नहीं है। भेद परक समाज ऐसी अहिंसा का पालन नहीं कर सकता। अतः जैन धर्म की अहिंसा का पालन एक आत्मिक समता पर आधारित समाज ही कर सकता है।

जिनशासन जिन सिद्धान्तों का प्रतिपादन करता है। वे मानवीय एकता और समता के महान उन्नायक हैं।

–डॉ. धीरज जैन

साभार : वर्तमान से वर्धमान

संयुक्त परिवार की उपादेयता

सामाजिक जीवन में संयुक्त परिवार की जीवनशैली सर्वश्रेष्ठ है, यह बेमिसाल परिवार व्यवस्था है, इसमें सुख और संस्कारों की संस्कृति है। संयुक्त परिवार में बहु के सारे रूके हुए कार्य सासु कर देती है। लड़के के दुकान आदि के सारे कार्य निवृति भोग रहे पिता द्वारा कर दिये जाते हैं। माता और पिता दोनों समय–समय पर सारी बातों में मदद करते हैं।

जो बहुऐं शादी करके अपने पति को उनके माता–पिता से अलग करती है वह दिल की कितनी कठोर होगी। थोड़ा सा अपने पांव पर खड़ा होते ही पुत्र वृद्ध माता–पिता को खाली हाथ धक्के मार कर घर में से निकाल देते हैं, उन्हें वृद्धाश्रम में छोड़ देते हैं, वहां वे अत्यन्त विषम परिस्थिति में रहे तो इस कृत्य के लिए लड़के और बहु अति क्रूर माने जाये, इस दयाहीनता में वे धिक्कार के पात्र हैं। सचमुच तो माता–पिता की हाय उन कृतघ्न बेटे–बहु को कभी नहीं छोड़ेगी उन्हें यकायक अत्यन्त दु:खी कर देगी।

एक अच्छी घटना पढ़े–

प्रमिला ने अपने पति अवधेश को माता–पिता से अलग नहीं होने की बात समझाई परन्तु वह मना करता रहा। जब प्रमिला ने उसका साथ नहीं दिया तो एक रात वह अकेला घर छोड़ कर चला गया।

फिर प्रमिला ने मानसिक तौर पर तैयारी रखी थी। उसने सास–ससुर से कहा आप जरा सी भी चिन्ता मत करना, आज से मैं आपकी बहु, अवधेश आपका लाडला लड़का। मैं घर संभाल लूंगी। मेरे पति का ऑफिस भी संभाल लूंगी। उसके यह चाल चलन एकदम व्यर्थ है उस पर ध्यान नहीं देना है।

तीन साल बाद अवधेश घर आया। प्रमिला को केस सौंपा गया। उसने कह दिया, 'इस घर में रहना हो तो माता–पिता की आज्ञा में रहना होगा। वह ना कबूल हो तो आप इस घर में प्रवेश नहीं कर सकते हो।'

बिचारा अवधेश सीधा–सट्ट हो गया। जापान में एक संयुक्त परिवार में सौ आदमी रहते थे उनके बीच आनंद उल्लास, स्नेह की लहर देखकर किसी ने इसका कारण पूछा। जवाब मिला–स्नेह भाव और सहिष्णुताभाव। हम एक दूसरे को बेहद चाहते हैं, भूल से कोई उंची आवाज में कह जाए तो हम सब सह लेते हैं इससे हमारे परिवार में झगड़े नहीं होते हैं।

माता–पिता, भाई–बन्धु आदि वाले संयुक्त परिवार में मर्यादा में रहना पड़ता है कर कसर से रहना पड़ता है, दूसरों के सुख के लिए मर मिटना आदि बातें जिसको न पसन्द हो, जो स्वच्छन्दी जीना चाहते हों, एकल खोर बनना, बेकाम रहना पसंद करते हो वे बड़े परिवार से अलग रह कर ही रहते हैं स्वच्छंदी जीने में सबसे बड़ा नुकसान पत्नी को होता है क्योंकि उसे अलग रहने से पूर्ण स्वतंत्रता मिलती है उसके एकान्त का लाभ पर पुरुष आसानी से उठा सकते हैं।

एक लड़के ने लव–मैरिज करने के साथ ही अलग घर बसाया। पत्नी के उकसाने से लड़का माता–पिता से अलग हुआ। माता–पिता को तो काफी आघात पहुंचा लेकिन क्या किया जाये? वह तो अच्छा हुआ ताकि कुछ जमा की हुई संपत्ति और घर अपने कब्जे में था। कालान्तर में लड़के के घर पुत्र का जन्म हुआ। केतु नाम रखा गया। चार वर्ष की उम्र में एक दुर्घटना घटी। वे तीनों चौपाट पर घूमने गये जोरदार भीड़ में केतु अलग पड़ गया, खो गया। पिता व्याकुल, माता जोर–जोर से दहाड़े मारकर रोए जा रही थी। केतु के दादा–दादी को पता चलते ही दौड़े चले आए वे सभी शून्य हो कर आघात से तड़पने लगे। पुलिस को खबर दी गई काफी प्रयास के बाद केतु मिल गया। शुभ समाचार जानकर दादी–दादी आनन्द विभोर हो गये और लाड करके केतु को अपने घर ले गये। एक हफ्ते बाद उन्होंने अपने लड़के को संदेश दिया कि 'केतु की जानकारी मिलने की खुशी में हमने सत्यनारायण की कथा रखी है तुम तीनों जरूर आना।'

इस समाचार से केतु के माता–पिता का दिमाग घूमने लगा उसने विचार किया कि 'मेरे लड़के का छः घंटे का विरह मेरे सास–ससुर को कैसा आघात जनक लगा? तो मैंने उनके लड़के (मेरे पति) को अलग करवाया, पांच साल से माँ–बेटे को मैंने अलग कर दिया है तो उससे उन्हें कितना धक्का लगा होगा?

केतु की माता को सत्य का भान हुआ। रविवार की कथा में जाते ही उसने फ्लैट की चाबी सासु को दी, पुत्र ने समर्पण करते हुए कहा कि 'आज से हम सभी को एक ही घर में रहना है। आपकी बहु अन्तःकरण से माफी मांगती है।

एक पिता ने अपने चार पुत्रों में धन बांट कर अलग कर देने का सोचा। पत्नियों सहित सभी को खाने पर बुलाया। किसी के साथ भी अन्याय न हो, यह समझाया। उस वक्त चारों बहुओं

ने परस्पर बात करके अपने पतियों को कहा 'क्या हम बिना खानदान के हैं क्या हम हक का पूरा लेने के अधिकारी (आग्रही) है? अपने पिता को कह दो कि आंख बंद करके सबको सिर्फ दो दो मुट्ठी गहने दे दो, हमें समान भाग नहीं करना। लड़को को यह बात बहुत अच्छी लगी पिताजी को यह बात बताई। उनकी आंख में हर्ष के आंसु आ गये। संयुक्त परिवार की सफलता स्नेह भाव में है।

अमीर सासु ने ब्याह कर घर पर आई बहु को अठारह हजार रुपये की नाक की नथ बनवा कर खुद अपने हाथ से पहनाई। 24 घटे में बहु की लापरवाही से नथ गिर कर खो गई। सासुजी को जब फौरन पता चला तो उन्होने दूसरी नथ बनवा कर एकाएक बहु की नाक में लगा दी। बहु ने कहा 'मम्मी जी ऐसा क्यों किया? जवाब मिला 'खो चुकी नथ पर मैं क्रोध करूंगी तो मुझे करोड़ रुपये की बहु को खोना पड़ेगा। वह मैं हरगिज नहीं चाहती। वृद्धावस्था में मेरी सेवा फिर कौन करेगा? इससे अच्छा तो नथ भले ही जाय तो जाय।' उसी रात बहु ने मायके को पत्र लिखा–'माता विवाह द्वारा मैंने तुझे जरूर खोया है, पर तुझ से भी सवाई स्नेहशील माँ को मैने ससुराल में पाया है।' सास बहु के बीच कितना वात्सलमय स्नेहभाव है इसमें जिसके कारण संबंध बहुत मधुर बनते हैं। ये रिश्ते तभी बिगड़ते हैं जब स्नेहभाव या सहिष्णुभाव कम होता है। तीन प्रकार के ग्रुप एक समान न्याय रखते हैं।

सागर की मछलियों का ग्रुप, परिवारों के सदस्यों का ग्रुप, और संसार त्यागी साधु अथवा साध्वियों का ग्रुप। उनसे उनका ग्रुप कभी नहीं छोड़ा जाता है। इसलिए इसके लिए उन्हें पारस्परिक स्नेहभाव और सहिष्णुता भाव विशेष रूप से बना लेना चाहिये। इसके बाद कोई भी उथल–पुथल नहीं होती।

जब लड़की को ससुराल भेजा जाता है, पुत्री माता को बराबर धमकाती, वह कहती , 'मम्मी तू पापा का ठीक से ध्यान रखना। उन्हें डायबीटीज होने से पांव बहुत दुखते हैं तो तु रोज कम से कम रात को पांव दबायेगी या नहीं? मम्मी तेरी जो इच्छा हो वो मुझे साफ कह दे। यदि तू पापा की बराबर सेवा न करने वाली हो तुझे उसमें रुचि न हो तो मैं ससुराल जाने को छोड़ दूंगी अथवा ससुराल से बार बार वापस आ जाउंगी।'

पास के दीवान खंड में बैठे हुए पापा ने पुत्री की बात सुनी और फफक फफक कर रो पड़े। वे मन ही मन में बोले 'ओ मेरी लाड़ली कैसा तेरा प्रेम?' जब बारात विदा का समय आता है तब बेटी पिता के गले लग फूट फूट कर रोती है, विरह के वे पल काफी कातिल होते हैं।

बारात लेकर बेटी विदा होती है पिता शादी का मंडप खोलता है रोता जाता है और विदा हुई बारात की ओर देखता रहता है। थोड़ी देर में जोर–जोर से रोते–रोते कहता है 'ये बारात (जान) मेरी जान लेकर जा रही है ये जान मेरी जान लेकर जा रही है।' बेटे से ज्यादा पिता बेटी को इसलिये चाहते हैं कि उसे एक बार ससुराल जाने के लिए सदैव के लिए माता–पिता को छोड़ना है और बेटों से ज्यादा बेटी स्वाभाव की मधुर होने से पिता की ज्यादा लाडली होती है।

एक बार संयुक्त परिवार में रहते दो भाई बहुओं की बातों में आ कर रोज के लड़ाई–झगड़ों से परेशान होकर बड़ा भाई अलग हो गया। बाद में छोटा भाई आर्थिक रूप से बरबाद हो गया। बड़ा भाई नदी के किनारे पर घर बना कर रहने लगा। एक बार अनजान मेहमानों द्वारा बड़े भाई को पता चला कि एक बार छोटे भाई ने उसे तालाब में डूबने से बचा लिया था। बस इतनी से बात से उसके मन में कृतज्ञता का भाव जागा। पत्नी के साथ समझौता करके वह छोटे भाई के घर पहुंच गया। दूसरे दिन से दोनों भाईयो का परिवार संयुक्त जीवन शैली के स्वर्ग में राचने लगा। दो ऐसे दोषों से सदा बचे रहे– जुबान की कड़वाहट और अन्तर में क्रोध यानि कटुता कभी न बोलना और क्रोध कभी ना करना।

।।शिवमस्तुसर्व जगतः।।

–पारसमल जैन IAF
6P/530 सेक्टर 6, कुड़ी भगतासनी हा.बोर्ड जोधपुर

आवश्यक सूचना

श्री पल्लीवाल जैन पत्रिका के सदस्यों को पत्रिका न मिलने/देरी से मिलने की सूचना प्राप्त होने पर डाक विभाग में शिकायत किये जाने पर डाक विभाग से जानकारी प्राप्त हुयी है कि सम्भवत: एक स्थान पर एक समान नाम के व्यक्तियों के होने से/पत्रिका में पते के साथ पिन कोड नं. न होने/गलत होने के कारणों से पत्रिका नियत समय नहीं पहुँच पा रही होगी। अत: समस्त सदस्यों से अनुरोध है कि आपके पते को सही/दुरस्त किये जाने हेतु आप निम्न जानकारी (अंग्रेजी Capital अक्षरों में)–

(1) सदस्यता संख्या, (2) सदस्य का नाम, (3) सदस्य के पिता/पति का नाम, (4) पता, (5) जिले का नाम, (6) राज्य का नाम, (7) पिन कोड नं., (8) दूरभाष नं. / मोबाइल नं.

संयोजक के पते पर लिखित में अथवा ईमेल द्वारा अवगत कराने का श्रम करावें। ***–संयोजक***

समस्त पाठकों से निवेदन है कि श्री पल्लीवाल जैन पत्रिका हेतु वैवाहिक विज्ञापन, पते में संशोधन व अन्य प्रकाशनार्थ सामग्री व्हाट्सएप पर न भेंजे। समस्त सामग्री ई–मेल या पोस्टल डाक से ही भिजवायें।

पल-पल लीजिए जीवन का आनन्द

जीवन बांस नहीं जिसका उपयोग छपरा बनाने के लिए करते रहें, जीवन बांसुरी है जिसका सही ढ़ंग से किया गया उपयोग हमें अनुपम शांति, संगीत और आनन्द से भर सकता है। जीवन का सच्चा आनन्द वही है, जो हमारे मन और प्राणों की गहराईयों में उतरकर हमें परम प्रभु के असीम आनन्द से साक्षात्कार करवायें। जीवन में पलने वाले क्रोध, लोभ, ईर्ष्या, चिन्ता जैसे नकारात्मक भावों को हटाने के लिए अपने अन्तर्मन में सदा शांति और आनन्द का चैनल चलाये। व्यक्ति की मुस्कान उस समय भी बरकरार रहे जब उसकी पत्नी उस पर झल्लाने लगे या कोई ग्राहक तुमसे खरीदा गया माल तुम्हे वापिस लौटाने लगे, ऑफिस में बॉस आपको किसी बात को लेकर डांट दे। हम अपने हर दिन की शुरुआत मुस्कान से करे और हर दिन का समापन भी मुस्कान से हो जीवन में मुस्कान के हम जितने बीज बोते जायेगे, हमारे जीवन में सहजता, शांति, सौंदर्य और आनन्द के आध्यात्मिक फूल उतने ही खिलते जायेगे। जीवन संगीतपूर्ण है, सौंदर्य और आनंदपूर्ण है। जिनके पास जीवनदृष्टि है, उनके लिये जीवन सौंदर्यपूर्ण है। जिनके अन्तकर्ण खुले हुये है उनके लिये जीवन संगीतपूर्ण है। जिनके हृदय में संवेदना और करुणा की सुवास है, उनके लिये जीवन आनंदपूर्ण है। जिसके लिये जीवन एक त्रासदी, केवल एक दुःख है, शोरगुल, कुरुपता और नृशंसता है वह निराशावादी व्यक्ति जीवन के महत्व से अपरिचित है। उसके लिये जीवन का कोई भी अर्थ एवं अभिप्राय नहीं है। मनुष्य कितना नेत्रहीन है उसे जीवन का सौंदर्य दिखायी नहीं देता। वह कितना बहरा है कि उसे जीवन का संगीत सुनाई नहीं देता। संवेदनशून्य उस मनुष्य को जीवन आनंदपूर्ण नहीं लगता।

जमाना कम्प्यूटर शिक्षा का है। शिक्षा अच्छी से अच्छी हो, पर हर व्यक्ति यह ध्यान रखे कि वह केवल किताबें ही पढ़ रहो हो या हम शिक्षा के सही संस्कार भी ले रहे हैं। शिक्षा ऐसी हो जो हमें केवल रोजी–रोटी कमाना सिखाये, वरन् जीवन में जीना भी सिखायें। जीवन को आनन्दमय बनाना है तो स्वाभाव को सौम्य और निर्मल बनाना होगा। मनुष्य का अपना कोई तय स्वभाव नहीं होता। हम अपने स्वभाव को जैसा बनाना चाहते है, वैसा बन जाता है। हमारी अच्छाईया तो बाहर रहती है पर बुराईयां गहरे तल तक मौजूद रहती हैं। हम सब लोग राम, बुद्ध और महावीर के मार्ग के अनुयायी है। संवेदन शून्य मत बनिये। अगर कोई पंछी तड़प रहा है तो उसके पंख फड़फड़ाने से भयभीत न होइये। उसे उठा लीजिये। उसे दो बूंद पानी चाहिये, पीड़ा का हमदर्द चाहिये। लोगों को यह मत समझाओ कि क्रोध मत करो बल्कि जब क्रोध आ जाये, तो उसे प्रेम में कैसे बदला जाये यह सिखाओ। बाहर से बदलकर हम अपने आप को कितना बदल पाये हैं। क्या एक गधा शेर की खाल पहन कर शेर हो जायेगा। बाहर के कृत्य तो बहुत कर लेता है। व्यक्ति अपनी वाहवाही लूट लेता है। लेकिन भीतर की सुध नहीं रहती। हमने खूब सीढ़ियाँ चढ़ ली हैं पर जिस दरवाजे को हमें खोलना है, उसकी चाबियाँ तो हम नीचे ही भूल आये हैं। दुनियादारी की चाबियों से शांति और आध्यात्म के ताले नहीं खुलने वाले। भीतर के तालों को खोलने के लिये भीतर की ही चाबियाँ काम आयेगी। जब तक चित्त की असरबिताये, विकृतियाँ और विसंगतियां नष्ट नहीं होती, तब तक किसी प्रकार से चेतना से मुलाकात होनी संभव नही है। ऐसी स्थिति में व्यक्ति के भीतर न आत्ममुक्ति का कोई संगीत गूंज सकता है न अपने स्वरूपबोध की वीणा ही झंकृत हो सकती है। बाहर से भले ही बदलाव ले आये अपने से अपनी मुलाकात हो। अपने अन्तघर में उतरे। खुद को शांति का तीर्थ बनाये।

ऐसी कौन सी चुनौती है, जिसका हम सामना न कर सके और अपने आपको बदला न पाये। बदलन की चाह होते हुये भी हम अगर नहीं बदल पाते तो इसका अभिप्राय यह है हमारे संकल्प कमजोर है। हमारी इच्छाशक्ति शिथिल है बाहर बदलो या न बदलो पर आपका स्वभाव व अंतरात्मा बदल जाये, तो कुछ अपने आप बदल जायेा और वह सार्थक हो जायेगा।

हम चाहे तो हमारा जीवन स्वर्ग हो सकता है। खुद को आनंदमय बनाकर ही औरों को आनंद दिया जा सकता है। अपने आपके साथ मुलाकात कीजिये और जीवन का पल–पल आनंद लीजिये। मन में हरपल खुशी का आनंद का स्मरण रखिये और आनंदित रहिये। नीले आकाश का आनन्द लीजिये, फूलो पर मंडराती तितलियो का आनन्द लीजिये। मनुष्य का मन तो टीवी चैनल की तरह है जिस समय जो भी चैनल चलायेंगे, आपकी टीवी में उसी के ही चित्र उभरने शुरु हो जायेगे। आप भी अपने मन में खुशी का चैनल चलाईये, आनंद का चैनल चलाइये। स्वंय को बदलने और पाने का पहला मंत्र है जीवन के प्रति सकारात्मक नजरिया बनायें, दूसरा मंत्र है घर गृहस्थी की मोह–मुर्च्छा से हटकर हर महीना एक दिन के लिये शान्त–एकान्त प्रकृति के सानिध्य में बिताये। तीसरा नियम मंत्र है कि मैं हर हाल में स्वयं को शांतिमय बनाये रखूंगा। मैं ऐसे आचरण और प्रतिक्रिया से खुद को बचाकर रखूंगा जो उग्रता, अशांति और आक्रोश दे। चोथा मंत्र यह है कि सबको अपनी ओर से इज़्ज़त ही दूंगा। अपने व्यवहार को इतना शालीन रखूंगा कि किसी को मुझसे शिकायत होने के अवसर कम–से–कम मिले।

अंतिम बात, मैं सबके साथ हिलमिलकर रहूंगा, पर इस सबके बावजूद दीपक की ज्योति की तरह ऊपर उठता रहूं, प्रकाशित रहूं, इस बात की सजगता–सचेतनता रखूंगा। जीवन को सचमुच इस तरह जिये कि जैसे कोई कमल खिला हो, गुलाब खिला हो। कीचड़ में भी कमल। कांटो में भी गुलाब। कोई साज दे तो अच्छा नहीं तो हम स्वयं दीप बन कर जलें, रोशन रहे, रोशनी का विस्तार करें। पल–पल का आनंद हो। इसी सद्भावना के साथ

–श्रीमती सन्तोष जैन
102/117 जय–पारस, पटेल मार्ग, मानसरोवर, जयपुर

श्री पल्लीवाल जैन पत्रिका के परामर्शदाता डॉ. अनुपम जी जैन का संक्षिप्त परिचय

1983 से मध्य प्रदेश शासन की उच्च शिक्षा सेवा में कार्यरत डॉ. अनुपम जैन सम्प्रति इन्दौर जिले के शासकीय महाविद्यालय, सांवेर में प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष–गणित के पद पर पदस्थ हैं साथ ही प्राचार्य के दायित्व का भी निर्वहन कर रहे हैं। पूर्व में शासकीय होलकर स्वशासी विज्ञान महाविद्यालय, इंदौर में विभिन्न पदों यथा प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष, परीक्षा नियंत्रक, प्रभारी प्राचार्य के रूप में अपनी सेवायें दे चुके डॉ. जैन देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर में 2013 एवं 2014 में प्रेस कन्ट्रोलर का भी दायित्व निभा चुके हैं। मेरठ विश्वविद्यालय (सम्प्रति चौधरी चरणसिंह विश्वविद्यालय), मेरठ से M.Phil. (Maths 1980) के बाद आपने **'गणित के विकास में जैनाचार्यों का योगदान'** शीर्षक शोध प्रबन्ध पर 1992 में इसी विश्वविद्यालय से Ph.D. की उपाधि प्राप्त की है। आपके मार्गदर्शन में अब तक 12 शोध छात्रों ने पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त की है। कुन्दकुन्द ज्ञानपीठ एवं गणिनी ज्ञानमती शोधपीठ के इन्दौर केन्द्र से Ph.D. करने वाले दो दर्जन से अधिक शोध छात्रों को भी आपका परोक्ष मार्गदर्शन प्राप्त हुआ है।

जापान, हांगकांग, नेपाल एवं यू.के. की अकादमिक यात्राएं कर चुके डॉ. जैन अपने सामाजिक दायित्वों के प्रति भी सजग हैं तथा The Research Promoting & Communication Society के अध्यक्ष, तीर्थंकर ऋषभदेव जैन विद्वत् महासंघ के कार्याध्यक्ष, गणिनी ज्ञानमती शोधपीठ के निदेशक, कुन्दकुन्द ज्ञानपीठ–इन्दौर के निदेशक तथा ऋषभदेव गौरव न्यास–इन्दौर के संस्थापक एवं मंत्री हैं।

18 पुस्तकों, 147 शोधालेखों एवं 157 सामान्य अभिरुचि के लेखों के लेखक डॉ. जैन सम्प्रति जैन तीर्थ वन्दना (मासिक) के प्रधान सम्पादक, अर्हत वचन (त्रैमासिक) के सम्पादक, Indian Research Communication (Half Yearly) के Executive Editor एवं दिगम्बर जैन महासमिति पत्रिका में सम्पादक मण्डल के सदस्य हैं। आप सन्मति वाणी, युवा परिषद बुलेटिन एवं सराक सोपान के परामर्श सम्पादक का दायित्व भी निभा रहे हैं। अनेक पुस्तकों तथा 50 से अधिक स्मारिकाओं, अभिनन्दन एवं स्मृति ग्रंथों का भी सम्पादन कर चुके हैं। 31 मार्च 2018 तक 1,83,376 पांडुलिपियों का सर्वेक्षण कर उनका कुन्दकुन्द ज्ञानपीठ, इन्दौर में कैटलाग तैयार करने हेतु आपको गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड्स द्वारा सम्मानित भी किया जा चुका है।

जैन गणित के क्षेत्र में उत्कृष्ट शोध हेतु आप प्रथम गणिनी ज्ञानमती पुरस्कार (1995), जैन राष्ट्र गौरव अलंकरण (2002), उपाध्याय ज्ञानसागर स्वर्ण जयंती पुरस्कार (2008), रइधू पुरस्कार (2008), आचार्य नेमिचन्द्र पुरस्कार (2010), वागीश्वरी सम्मान (2011), जैन आगम मनीषी सम्मान (2012), JITO गौरव सम्मान (2015), आचार्य योगीन्द्रसागर स्मृति पुरस्कार (2016) एवं जैन विज्ञान रत्न (2018) आदि अनेकों पुरस्कारों/ सम्मानों से सम्मानित किये जा चुके हैं। 2015 में उत्तर प्रदेश के महामहिम राज्यपाल महोदय द्वारा आपको गणिताचार्य उपाधि से विभूषित किया गया।

समस्त पल्लीवाल जैन समाज को नववर्ष की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

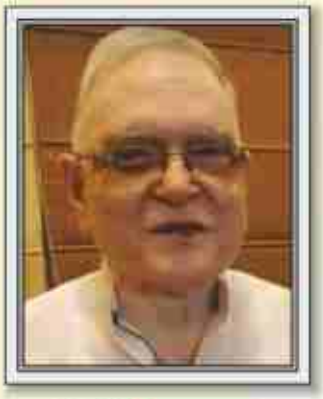

अध्यक्ष महासभा
श्री आर.सी. जैन, *Retd. IAS*
(जयपुर)

महामंत्री महासभा
श्री राजीव रतन जैन
(इन्दौर)

अर्थमंत्री महासभा
श्री अजीत जैन
(अलवर)

परामर्शदाता पत्रिका
डॉ. अनुपम जैन
(इन्दौर)

संयोजक पत्रिका
श्री चन्द्रशेखर जैन
(जयपुर)

संपादक पत्रिका
श्री प्रकाश चन्द जैन
(जयपुर)

सहसंपादक पत्रिका
श्री पारस जैन गहनोली
(जयपुर)

अर्थसंयोजक पत्रिका
श्री महेश चन्द जैन
(जयपुर)

(CR D-1984)

Insane.TRAVEL
made by travelers
PLAN YOUR DREAM VACATION WITH US..
MAURITIUS HONEYMOON
₹ 58,000 per person
- Return airfare
- 5 nights stay
- Breakfast & Dinner
- Return airport transfers
- Ile aux cerfs tour, South island tour, North island tour
- Honeymoon freebies, watersports
- Travel insurance
- All taxes
KERALA
₹ 14,000
per person onwards
(inc. taxes)
THAILAND
₹ 30,000
per person onwards
(inc. taxes)
SINGAPORE
₹ 48,000
per person onwards
(inc. taxes)
EUROPE
₹ 89,000
per person onwards
(inc. taxes)
Why Insane Travelers?
✓ Vacations designed from scratch to suit your needs
✓ Designed by real travelers
✓ Best quality service with pocket friendly price
Email: holidays@insane.travel
Office Address: C-199, 60 Ft Road, Mahesh Nagar, Jaipur - 302015
83800 96282
www.insane.travel
(Reference: Gaurav Jain s/o Sh. Gopal Lal Jain, Hindaun City)

QUALITY WORKS • PROMPT SERVICE • COMPETITIVE RATES

PRODUCTS :
Transmission Line Towers (HT&LT), Telecom Towers, Wind Mill Structures, Sub-Station Structures, Lattice Structures, RSJ Poles & GI Earthing Strips.

FULLY EQUIPPED ULTRA MODERN FABRICATION AND GALVANIZING PLANT WITH EOT CRANES, HOISTS, POWER TROLLEYS, TESTING LABS & ETP SYSTEM TO ENSURE GREEN ENVIRONMENT

Fabrication & Galvanizing done as per
IS, BIS, ASTM, DIN & ISO Standards
Bath Size : 9m (L) x 0.8m (W) x 1.4m (D)
Plant Capacity : 18000 Tons / Year

Vijay Transmission
PVT. LTD.

Plant :
PNH No. 100, Village Kanhera, Block Dharsiva, Uria Acholi Marg, Dist. Raipur-492001
Tel.: (0771) 305 4900 • Fax : (0771) 232 3162

Corporate Office :
210, 211, 2nd Floor, Kamla Space, S.V. Road, Santacruz (West), Mumbai-400054
Tel.: 022-262183401 • Fax : +91-022-26609915
E-mail : info@vijaytransmission.com

दसवीं पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि

स्व. श्री जिनेश कुमार जी जैन

(सुपुत्र स्व. श्री प्यारेलाल जी जैन एवं स्व. श्रीमती भगवती देवी जी जैन)

रसीदपुर वाले

(जन्मतिथि : 01.09.1940) *(स्वर्गवास : 18.01.2018)*

हम सभी परिवारजन आपको शत्-शत् नमन एवं स्मरण करते हुए अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धावनत

श्रीमती सुधा जैन

(धर्मपत्नी)

भाई-भाभी :
बाबूलाल जैन-उमा जैन
रमेशचंद्र जैन-प्रेम जैन

ससुराल पक्ष :
रवि प्रकाश-लता जैन
अजय कुमार-सुनीता जैन

पुत्र-पुत्रवधु :
शिरीष जैन-स्वाति जैन
मनीष जैन-रचना जैन
आशीष जैन-सोनल जैन

पौत्र : यश जैन, करण जैन
पौत्री :
अधिश्री जैन, अनीला जैन, खुशी जैन

बहन-बहनोई :
सुशीला देवी-प्रकाशचंद जैन
गुणमाला-उदयवीर जैन
कमला-रतनेश जैन
विमला-सुरेश पालीवाल

निवास : सी-359, प्रधान मार्ग, मालवीय नगर, जयपुर (राज.)
मो. : 7597789614, 9414071800, 9414820000, 9958788850

सबका सम्मान - सबका सहयोग

श्री पल्लीवाल जैन पत्रिका के वर्ष–7, अंक–6 (25 दिसम्बर 2018) एवं महासभा के यशस्वी महामंत्री श्री राजीव रतन जैन के पत्र दिनांक 01 जनवरी, 2019 से यह जानकर प्रसन्नता हुई कि मुझे पत्रिका का परामर्शदाता मनोनीत किया गया है। प्रसन्नता इस कारण है कि अपने सजातीय भाई–बहनों से संवाद एवं उनकी सेवा करने का अवसर मिला है। एतदर्थ सम्पूर्ण राष्ट्रीय कार्यकारिणी के प्रति आभार।

सम्पादक भाई प्रकाशचन्द्र जी से विस्तारपूर्वक चर्चा हुई एवं हम सब मिलकर पत्रिका के कलेवर में वृद्धि एवं गुणवत्ता के विकास हेतु प्रयास करेंगे। मथुरा से जयपुर आने के बाद पत्रिका के अन्तर्बाह्य स्वरूप दोनों में उल्लेखनीय सुधार हुआ है एवं सभी समाज बन्धुओं ने इसकी प्रशंसा भी की है। इसका सम्पूर्ण श्रेय पत्रिका की वर्तमान सम्पादकीय एवं प्रकाशकीय प्रबन्धन टीम को जाता है।

दिसंबर 2018 के अंक में संयोजक भाई चन्द्रशेखर जी ने एक अत्यन्त महत्वपूर्ण विषय की ओर ध्यान आकृष्ट किया है। ग्रामों से आकर शहर में बसने वाले समाज के परिवार मुख्यधारा में आना चाहते हैं। ग्रामों में आजीविका, बच्चों की शिक्षा, परिवार में शादी–विवाह आदि की समस्या जैसे कारणों से स्थानांतरित होकर आये परिवारों को समरसता एवं सम्मान के साथ जोड़ना जरूरी है। इससे सामाजिक संगठन सभी दृष्टियों से सुदृढ़ होगा किंतु इन्हें कैसे जोड़े ? यह यक्ष प्रश्न है।

प्रजातांत्रिक व्यवस्था में बहुमत को प्राप्त करने हेतु प्रत्याशी अनेक नैतिक/अनैतिक उपाय करते हैं। फलतः यत्र–तत्र सर्वत्र अब इसके दुष्प्रभाव दृष्टिगोचर होने लगे हैं एवं लोग इसके विकल्पों पर चिंतन कर रहे हैं। महासभा की इन्दौर इकाई ने प्रारम्भ से ही एक स्वस्थ परम्परा पिछले 12 वर्षों में निर्मित की। हमने समाज के 1–2 वरिष्ठ व्यक्तियों को चुनावी राजनीति से सदैव ऊपर एवं अलग रखा तथा उन्हें यह दायित्व दिया कि समाज के सभी वर्गों को सम्यक् प्रतिनिधित्व देते हुये योग्यता एवं क्षमता के अनुसार दायित्व दें। इसमें स्थानीय एवं बाहर से आकर शहरों में आये परिवारों के प्रतिनिधि सभी को अवसर मिलेगा। इसी रीति का प्रतिफल है कि महासभा का राष्ट्रीय अधिवेशन हो या राष्ट्रीय युवा सम्मान समारोह सभी आयोजन इन्दौर इकाई सफलता से निर्विघ्न कर सकी एवं कार्यक्रम के बाद भी इकाई में संगठन में आनंद का वातावरण बना, संगठन मजबूत हुआ, नये कार्यकर्ता मिले। महासभा को राष्ट्रीय अध्यक्ष (श्री सुमत प्रकाश जी) एवं राष्ट्रीय महामंत्री (श्री राजीव रतन जी) जैसे कार्यकर्ता समाज को इस इकाई से ही प्राप्त हुए। 12 वर्षों की छोटी अवधि में मात्र 60 परिवारों की इकाई से राष्ट्रीय स्तर के 2 पदाधिकारी प्राप्त होना निश्चय ही सराहनीय है।

यह नीतिगत निर्णयों का प्रतिफल है। इससे इकाई में प्रेम, सौहार्द, समर्पण एवं स्वाभिमान बढ़ा है। मेरा तो सुझाव है कि 2–3 अन्य स्थानों पर इन्दौर मॉडल को अपनाकर परीक्षण किया जाए किन्तु यह ध्यान रखा जाए कि जिस समिति को मनोनयन के अधिकार दिये जायें वे पूर्णतः निष्पक्ष, दूरदृष्टि, सम्पन्न एवं समाज हितैषी हों। उनकी छवि निष्कलंक तथा पूर्वाग्रह रहित हो। यदि यह मॉडल सफल रहे तो इसे उच्च स्तर पर अपनाकर समय एवं व्यय को बचाने पर विचार किया जा सकेगा। पंच परमेश्वर हमारे देश की पुरानी रीति है।

कागज एवं मुद्रण की द्रुतगति से बढ़ती दरों ने पत्र–पत्रिकाओं के सम्मुख अस्तित्व का संकट खड़ा कर दिया है। विगत 2–3 वर्षों में अनेक पत्रिकायें अनियमित या बंद हो चुकी हैं। ऐसे में महासभा के सतत, निर्विकल्प समर्थन से पत्रिका का नियमित प्रकाशन संतोष का विषय है। वस्तुतः यह हमारे संगठन का एक अत्यन्त महत्वपूर्ण अंग है। पत्रिका के कलेवर में वृद्धि के किसी भी प्रस्ताव पर विचार करने से पूर्व यह आवश्यक है कि हम हमारे संसाधनों में वृद्धि करें।

पत्रिका के दिसम्बर अंक में हमारे युवा साथियों ने रन फॉर हैल्थ – रन फॉर फन के आयोजन की सूचना दी है। ऐसे आयोजन युवाओं की रूचि के हैं इनसे समाज संगठित होगा। ऐसे आयोजन समाज के युवाओं को जोड़ने हेतु बहुत उपयोगी होते हैं। समाज के वरिष्ठों को व युवाओं को पूर्ण सहयोग, समर्थन एवं शुभकामनायें देनी चाहिये। साथ ही इस आयोजन से कर्मठ, सक्षम कार्यकर्ताओं की पहचान कर उन्हें लाना चाहिए।

पत्रिका को अधिक रुचिकर एवं उपयोगी बनाने हेतु आपके सुझावों का सदैव स्वागत है। आप हमारे सम्पादक जी, संयोजक जी एवं मुझे भी रचनात्मक सुझाव दे सकते हैं। मैं अपने साथियों के माध्यम से उसे क्रियान्वित करने का प्रयास करूंगा।

सुझावों की बात निकली है तो एक कार्यकर्ता के रूप में मैं भी अपना एक सुझाव रख रहा हूँ। पत्रिका के प्रत्येक अंक में **पल्लीवाल जैन गौरव** स्तम्भ रूप में प्रकाशित हो। जिसमें अपनी समाज के एक ऐसे निर्विवाद व्यक्तित्व या पूर्वज का परिचय प्रकाशित हो जो सम्पूर्ण जैन समाज का गौरव हो। इस कार्य में मेरा पूर्ण सहयोग रहेगा।

सहयोग की आशा में

–डॉ. अनुपम जैन
परामर्शदाता, श्री पल्लीवाल जैन पत्रिका
'ज्ञानछाया', डी–14, सुदामानगर, इन्दौर

क्रोध

क्रोध मूर्खता से प्रारम्भ होकर पश्चाताप पर खत्म होता है यह एक परमाणु बम के समान है जहां भी फटता है उसकी सीमा में आने वाले जीव, पदार्थ, रिश्ते सभी को नष्ट कर देता है। क्रोध कभी अकेला नहीं आता है जब भी आता है अपने खानदान के साथ आता है।

घमंड क्रोध का पिता है जब–जब घमंड को चोट अथवा ठेस पहुंचती है तब क्रोध जन्म लेता है। उपेक्षा क्रोध की मां है। जब भी हमारी अपेक्षाऐं उपेक्षित होती है। क्रोध पैदा होता है।

हिंसा और नफरत :– क्रोध की दो पत्नियां हैं जो मनुष्य के जीवन मैं सौत बनकर सारे रिश्ते नातों को तार–तार कर देती हैं।

हिंसा :– क्रोध की ओरिजनल पत्नी की तरह होती है जो हमेशा क्रोध के साथ रहती है और नफरत प्रेमिका की तरह विद्यमान रहती है।

बैर–विरोध :– यह क्रोध की जुडवा संतान है। जो पहचानने में भी बडी मुशकिल से आती है।

निंदा–चुगली :– यह क्रोध की सगी बहनों की तरह काम करती है अर्थात पतन की ओर ले जाने का प्रथम द्वार है।

जिद :– क्रोध की लाडली बेटी है जब बेटी को किसी भी आवश्यक, अनावश्यक वस्तु को अपने जिद्दी स्वभाव के कारण पूरा करवाना अपना धर्म समझती है।

आपने देखा कि क्रोध का खानदान कितना बड़ा और भयंकर है। जब भी आता है अकेला नहीं आता है यह हमारे सुखी, समृद्ध परिवार, रिश्ते, संबंधों को पल भर में तहस–नहस कर देता है और छोड़ जाता है दुष्परिणामों को। क्रोध में व्यक्ति स्वयं पर से नियन्त्रण खो देता है। उसे भान ही नहीं रहता कि वह क्या कुछ बोल रहा है। अभद्र और बेहूदी भाषा में अनाप–शनाप बकता चला जाता है।

क्रोध के दुष्परिणाम

1. क्रोध में व्यक्ति होश खो बैठता है अपने पराये को भूल जाता है।

2. व्यक्ति का स्वास्थ्य बिगड़ता है तनाव, चिंता अवसाद यह सभी क्रोध के दुष्परिणाम है।

3. आपसी संबंधों में खटास पैदा करता है। क्षणिक क्रोध से आपका पूरा भविष्य बिगड़ सकता है। जिन संबंधों को बनाने में जी–जान लगाते हैं। क्रोध करके पलभर में समाप्त कर लेते हैं।

4. क्रोध में हत्या, आत्महत्या की प्रेरणा का उदय होता है।

5. क्रोध के कारण कैरियर भी प्रभावित होता है। अर्थात कार्यस्थल पर क्रोध के कारण कई प्रकार की हानि उठानी पड़ सकती है।

अर्थात जो क्रोध कर रहा है उसका कैरियर, परिवार, समान, स्वयं का स्वास्थ्य, स्वयं की शांति स्वयं का परिवार, सब कुछ प्रभावित होता है। क्रोध को तिलांजली दीजिये अपने श्रेष्ठ बुद्धि का श्रेष्ठ विचारों का, समझदारी का उपयोग कीजिये और अपने भविष्य को सुन्दर बनाइये।

–रविन्द्र जैन
चौरसिया रोड, द्वारका नगर, गली नं. 2, अजमेर

शुभ भावना

सबके रंग में रंगी हुई मैं,
नव वर्ष बधाई भेज रही हूँ।
शुभ भावों से सनी हुई मैं,
मंगल भावना ओट रही हूँ।

एक दिन ऐसा भी आएगा,
मैं अपने दिल की मानूँगी।
दीप जला और थाल सजा
मैं हर देहरी पर भेजूंगी।

छाएगी हरियाली चहुँ ओर,
मनभावन ऋतु वह आएगी।
पुष्पित,और प्रफुल्लित होकर,
प्रकृति मन्द मन्द मुस्कायेगी।

पीली सरसों भी तब नाचेगी
उर जन मन का हर्षित होगा।
आध्यात्म की लहरे आयेगी
घर घर में तबआनंद छायेगा।

भावों के गुलदस्ते सजाकर
शुभकामना भेजी जाएगी।
नव वर्ष मुबारक तब होगा
जब चैत्र प्रतिपदा आएगी।

–सुनीता जैन 'सुनीति', भरतपुर
राजस्थान महिला प्रतिनिधि राष्ट्रीय कार्यकारणी
अ.भा.प.जैन.महासभा

गर्भ संस्कार

नव वर्ष की शुभ बेला पर सभी को हार्दिक शुभकामनाओं एवं बधाई देते हुए विनयपूर्वक अनुरोध है कि हम सब भगवान महावीर के वंशज हैं तथा हमारे पूर्वज भी उनके बनाए मार्ग का अनुसरण करते हुए सादगी, सदाचार, व्यसनमुक्त जीवन व्यतीत करते हुए शिक्षा के साथ–साथ संस्कारों को भी आत्मज्ञात करते थे। मगर वर्तमान में हम सब शिक्षा के क्षेत्र में तो क्षितिज को छू रहे हैं परन्तु संस्कार की विरासत को शनैः शनैः विस्मृत करते जा रहे हैं। फलस्वरूप हमारे आचार–विचार एवं व्यवहार में जैनागम लुप्त हो रहा है।

आज के इस भौतिक युग में जहाँ पर हमारी समस्त युवा पीढ़ी पाश्चात्य संस्कृति की ओर आकर्षित हो रही है। ऐसे समय में सद्संस्कारों का होना बहुत ही आवश्यक है। मानव जीवन में जीने के लिये जहाँ रोटी, कपड़ा और मकान की आवश्यकता होती है वैसे ही जीवन को उन्नत बनाने के लिये संस्कारों की आवश्यकता होती है। अगर मनुष्य को अच्छे भविष्य का निर्माण करना है तो उसके जीवन में संस्कारों की अत्यधिक आवश्यकता होती है। रास्ते में पड़ा हुआ पाषाण जब संस्कारों को प्राप्त होता है तब वह लोगों के द्वारा पूज्यता को प्राप्त हो जाता है अर्थात वह भगवान का रूप ले लेता है। उस प्रकार जब इंसान संस्कारों को प्राप्त कर लेता है तब वह इंसान नहीं भगवान का रूप ले लेता है।

संस्कारों का प्रभाव जन्म जन्मांतर तक चलता है। गर्भ से ही माँ बच्चे को संस्कारित कर सकती है क्योंकि गर्भ में बच्चे की ग्रहण करने की शक्ति अति तीव्र होती है। माँ के अच्छे–बुरे व्यवहार से वैसे ही संस्कार प्राप्त कर लेता है। अगर समाज व संस्कृति की रक्षा करनी है एवं धार्मिक वातावरण का निर्माण करना है तो महिलाओं को चाहिए कि वे अपने जीवन को स्वयं संस्कारित करें एवं गर्भ संस्कार के माध्यम से आने वाले भव्य जीव को संस्कारित करें। विद्वानों ने कहा है कि एक माँ अपने बच्चों को सौ टीचर से ज्यादा ज्ञान एवं संस्कार दे सकती है। आज अगर सामाजिक वातावरण में विघटन की स्थिति का निर्माण हुआ है वह माँ के संस्कारों के अभाव के कारण हुआ है। हमारे मंदिर मूर्तियां, हमारे गुरू संस्कारों के केन्द्र स्थान हैं, संस्कार शालायें हैं तो माताओं को चाहिए कि संस्कारों को प्राप्त करें या संस्कारवान बने। कुसंस्कारों के प्रभाव से मनुष्य हैवान व शैतान का रूप ले लेता है। सद् संस्कारों के माध्यम से वह भगवान का रूप ले लेता है। माता–पिता, बच्चों को भाग्य नहीं दे सकते हैं लेकिन संस्कार अवश्य दे सकते हैं। हर माता–पिता विचार करते हैं कि मेरा बच्चा महावीर व श्री कृष्ण जैसा बनना चाहिए। लेकिन महावीर व कृष्ण बनने से पहले हर माता को त्रिशाला व यशोदा बनना पड़ेगा क्योंकि बिना माता–पिता के संस्कारित हुए हम बच्चों का भविष्य नहीं बना सकते। इसलिए अगर वास्तव में आप चाहते हैं कि मेरा परिवार सुखी रहे एवं समृद्ध रहे तो महिलाओं को चाहिए वे धार्मिक संस्कारों को प्राप्त करें व स्वयं भी प्रभावित होकर परिवार व बच्चों में बीजारोपण करें। इसलिए मेरा यही कहना है कि अच्छा परिवार, अच्छा समाज, अच्छा राष्ट्र बनाने के लिये संस्कारवान बनना होगा।

–मुन्नी जैन, कोटा (राज.)
अ.भा.प.जैन,मा.महा. सह संयोजिका

शाखा दिल्ली

श्री पल्लीवाल जैन सभा दिल्ली का वार्षिक मिलन मेला 20 जनवरी 2019 को संपन्न हुआ। कार्यक्रम में उल्लेखनीय कार्य करने के लिए डॉ. पवन कुमार जैन, टीम लीडर– सेंटर फॉर कार्बन मेटेरियल विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग भारत सरकार हैदराबाद को, श्री श्वेतांशु जैन सी.एम.डी.– आई.आई.सी.एस. को व्यवसायिक क्षेत्र में उपलब्धि पर एवं महासभा के पूर्व महामंत्री व दिल्ली शाखा के सलाहकार श्री पदम चन्द जैन को समाज रत्न की उपाधि से सम्मानित किया गया। श्री प्रेमचन्द जी जैन दिल्ली व श्री निर्मल जैन (निगम पार्षद) का भी सम्मान किया गया। कार्यक्रम में महासभा के महामंत्री श्री राजीव रतन जैन, कोषाध्यक्ष श्री अजीत प्रसाद जैन, महासभा के पूर्व अध्यक्ष श्री सुमत प्रकाश जी जैन, संयोजक पत्रिका श्री चंद्रशेखर जैन जयपुर, श्री बाबूलाल जी पालम, संगठन मंत्री श्री सतीश जैन पालम दिल्ली ने अपना अमूल्य समय निकाल कर कार्यक्रम में पधारे। शाखा अध्यक्ष श्री विजय कुमार जैन, मंत्री श्री विजय जैन एवं कार्यक्रम के प्रेरक एवं संयोजक श्री विनोद कुमार जैन (केन्द्रीय कार्यकारिणी सदस्य) ने सभी का आभार प्रकट कर धन्यवाद दिया।

पक्षी भोजन (चुग्गा) गृह निर्माण

श्री अमीर चन्द जी जैन (सेनि. आरएएस), नहर रोड, गंगापुर सिटी, जिला सवाईमाधोपुर ने अपनी धर्मपत्नी स्व. श्रीमती पुष्पलता जी जैन की 28वीं पुण्यतिथि दि. 1.12.2018 को श्री श्वेताम्बर जैन तीर्थ सिरस (भरतपुर) में पक्षी भोजन (चुग्गा) गृह का निर्माण करवाया। इस उत्कर्ष कार्य के लिए उन्हें साधुवाद।

शाखा मुरैना

महासभा के स्वर्णिम वर्ष महोत्सव का शुभारंभ

अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा के स्वर्णिम वर्ष महोत्सव के अन्तर्गत मुरैना शाखा द्वारा ''वरिष्ठ श्रेष्ठीजन सम्मान महोत्सव व प्रतिभा सम्मान 2019'' का आयोजन दि. 12 जनवरी 2019 को शाम 7 बजे पल्लीवाल भवन, लोहिया बाजार में बड़े ही आकर्षित व भव्य तरीके से मनाया गया।

दो छोटी बच्चियों द्वारा मंगलाचरण की भव्य प्रस्तुति दी गई। तत्पश्चात् चित्र अनावरण व दीप प्रज्ज्वलन आदरणीय दिनेश जैन रेहट वाले व चन्द्रप्रकाश जी सर्राफ द्वारा किया गया। तद्पश्चात अध्यक्षीय स्वागत भाषण हुआ।

कार्यक्रम के दौरान क्लासिकल नृत्य भी किया गया। कु अंशिका जैन के नृत्य ने दर्शकों का मन मोह लिया करीब तीन सौ व्यक्तियों के मध्य सर्वप्रथम वरिष्ठ श्रेष्ठीजन सम्मान महोत्सव का आयोजन किया। बुजुर्गो ने महिला पुरुष मिला कर 16 व्यक्तियों का सम्मान हुआ। शाखा मुरैना द्वारा उन्हें शॉल श्रीफल, अभिनन्दन पत्र प्रदान किया गया साथ ही प्रतिभा सम्मान में चार बालक–बालिकाओं का सम्मान किया गया। इस सुअवसर पर विभिन्न शैलियों से आये अध्यक्ष, मंत्री, केन्द्रीय कार्यकारिणी सदस्य व राष्टीय उपाध्यक्ष उपस्थित रहे। क्रमशः नाम ग्वालियर से भागचन्द जी, संजय जी व विवेक जी, मोहना से पारस जी, ऋषभ जी एवम् जौरा से भोलाराम पंसारी व महावीर जैन उपस्थित थे। इन सभी अतिथियो का स्वागत मुरैना शाखा द्वारा किया गया। मंच का संचालन श्रीमान अमित जैन जी, एवम् श्रीमती शिल्पी जैन ने किया। अंत में आभार शाखा मंत्री आशीष जैन ने किया। कार्यक्रम के पश्चात सभी के लिये स्वल्पाहार की व्यवस्था की गई। कार्यक्रम में राष्ट्रीय महिला संयोजिका श्रीमती करुणा जी जैन भी थी।

शाखा मुरैना द्वारा विशुद्ध ज्योतिरथ प्रवर्तन का आत्मीय प्रवेश मुरैना नगर में होने पर स्वागत

इस युग की सर्वाधिक दीक्षा प्रदात्री गुरु माँ गणिनी प्रमुख आर्यिकी 105 श्री विशुद्धमति माताजी के स्वर्णिम दीक्षा महोत्सव के तहत अनेक आयोजन देश के कोने–कोने में हो रहे हैं। इसी कड़ी में विशुद्ध ज्योतिरथ प्रवर्तन सम्पूर्ण भारत में भ्रमण कर रहा है। इसी क्रम में ज्योति रथ का आगमन मुरैना में हुआ तो समाज में सभी नर–नारी रथ की आगवानी करने पहुंचे। शाम को गजधर बल्लभ विधान किया गया। तथा सुबह की बेला में रथ नगर के प्रमुख मार्गो स होता हुआ पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर पहुंचा। रथ में विराजमा जिन विम्ब की आरती भी अनेक स्थानों पर की गई। तद्पश्चात रथ में साथ चल रहे सभी धर्मनुरागी वन्धुओं के लिए स्वल्पाहार की व्यवस्था की गई। यहा ज्ञात हो की माताजी के स्वर्णिम संयम दीक्षा महोत्सव का आयोजन आगामी 7,8, 9 मार्च को कोटा की पुण्य धरा पर सम्पन्न होगा। रथ–यात्रा में सैकड़ो महिला पुरुष बैण्ड–बाजो की धुन पर नृत्य करते हुये जैन धर्म का गौरव गाथा को जन–जन तक पहुंचाने का पैगाम दे रहे थे। जिसमें मुख्य रूप से प्रदीप जैन, राजेन्द्र जी, पंकज जी, अनूप जी, नेमीचंद जी, दर्शनलाल जी, दिनेश जी एवम् ग्वालियर जोरा वानमौर के अनेक गणमान्य बन्धु मौजूद थे।

श्री णमोकार महामंत्र पाठ का आयोजन

श्री णमोकार महामंत्र पाठ का आयोजन पाँच परिवारों के द्वारा इस माह में सम्पन्न हुआ। यहां यह उल्लेखित है कि शाखा मुरैना द्वारा शुरु की गई श्री णमोकार महामंत्र की श्रृंखला के तहत् समाज धर्म के क्षेत्र में काफी योगदान देकर धर्म की प्रभावना कर रहा है वर्ष 2018 से अन्तिम दिनों में व नववर्ष की नूतन वेला में समाज के ही पाँच परिवारों द्वारा श्री णमोकार महामंत्र पाठ का आयोजन बड़े ही सुन्दर संगीतमय भाव से कराया गया। उन पाँचों परिवार के नाम क्रमशः श्री प्रमोद कुमार जैन, राकेश कुमार, राजेन्द्र कुमार जैन, अशोक कुमार, विनोद कुमार जैन, ओमप्रकाश, जगदीश चन्द जी जैन, एवम् सुखचंद पवन कुमार जी है। शाखा परिवार मुरैना उन सभी परिवारों को धर्म क्षेत्र की प्रभावना बढ़ाने के लिये साधुवाद एवम् कृतज्ञता ज्ञापित करती है। शाखा मुरैना द्वारा की चालू की गई यह अनुकरणीय पहल समाज में भाईचारे व समरसता का संदेश प्रदान कर रही है। मुरैना में स्थित श्री चन्द्रप्रभु पल्लीवाल जैन मंदिर लोहिया बाजार एवम् श्री चन्द्रप्रभ् नवीन जिनालय जीवाजी गंज में यह उक्त कार्यक्रम सानद सम्पन्नन किये गये तद्पश्चात् सभी धर्मानुरागी बन्धुओं के लिये केशरयुक्त दूध की व्यवस्था की गई। सभी समाज बन्धुओं ने पाँचो परिवारों द्वारा की गई धर्म प्रभावना की भूरी–भूरी प्रशंसा की।

शाखा ग्रामीण अंचल आगरा

दिनांक 5.1.2019 को शाखा ग्रामीण अंचल आगरा के सभी ग्रामीण क्षेत्रों से 60–70 महिलायें–पुरुष–बच्चे सभी एकत्रित होकर टूण्डला में स्थित पचौश्वरा मन्दिर में शनि अमावस्या के दिन श्री 1008 मुनि सुव्रतनाथ भगवान के दर्शन अभिषेक कर विशेष आनन्द लाभ की अनुभूति हुई। तत्पश्चात अतिशय क्षेत्र राजमल गये वहां श्री १००८ नेमीनाथ भगवान की चमत्कारी प्रतिमा के दर्शन किये, दोनों जगह चमत्कारी प्रतिमा जी के दर्शन कर सभी को विशेष आनन्द लाभ की अनुभूति हुई। श्री विनोद कुमार जैन (अध्यक्ष) अछनेरा, श्री पुष्पेन्द्र कुमार जैन मंत्री (मिढाकुर) से संरक्षक महोदय श्रीमान अगेन चन्द जी जैन ने कहा कि इसी तरह वर्ष में दो तीर्थयात्रा करवाया करो, बहुत अच्छा लगता है। इसमें आपस में प्रेम भावना भी बढ़ती है। तीर्थयात्री श्री प्रमोद जैन, श्री शिखर चन्द जैन, श्री जवाहर लाल जैन, श्री संतोष जैन, श्री देवेश जैन, श्री पंकज जैन, श्री कौशल जैन इत्यादि। शाखा ग्रामीण अंचल महिला मंच अध्यक्ष श्रीमती पिंकी जैन (मिढाकुर) श्रीमती पूनम जैन अर्थमंत्री मल्हारा, श्रीमती कृष्णा जैन, श्रीमती गुड्डी जैन, श्रीमती ममता जैन, श्रीमती कामिनी जैन, श्रीमती रीता जन, श्रीमती मीना जन, श्रीमती निर्मला जैन, श्रीमती लवली जैन, श्रीमती राजुल जन, श्रीमती प्रीती जन, श्रीमती गायत्री जैन, श्रीमती मीनू जैन इत्यादि सभी महिलाये एवं बच्चे गये। अन्त में श्रीमान अगेन चन्द जी जैन ने सभी लोगों को धन्यवाद दिया और कहा कि यात्रा बहुत अच्छी रही।

शाखा जयपुर महिला मण्डल

श्री पल्लीवाल जैन महिला मण्डल जयपुर द्वारा दिनांक 13.1.2019 को नववर्ष मिलन एवं मकर संक्राति महोत्सव 2019 का भव्य आयोजन किया गया। अध्यक्षा श्रीमती ममता जैन ने बताया कि महोत्सव में आयोजित पतंग प्रतियोगिता, डाईस गेम, फैन्सी ड्रेस शो एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में महिलाओं एवं बच्चों ने बढ़–चढ़ कर भाग लिया साथ ही सभी लोगों ने इस कार्यक्रम का भरपूर आनंद उठाया। मुख्य अतिथि श्रीमती सरोज जैन पल्लीवाल द्वारा विवाह योग्य युवक–युवतियों के बॉयोडाटा संकलन हेतु वेबसाईट का शुभारम्भ किया तथा महोत्सव की अध्यक्षता एवं ध्वजारोहण डॉ. रंजना जैन द्वारा किया गया।

शाखा नागपुर

दि. 19, 20 जनवरी 2019 को श्री सिद्धक्षेत्र मुक्तागिरीजी में पल्लीवाल समाज का आठवां क्षेत्रीय अधिवेशन संपन्न हुआ। अधिवेशन में मुख्य अतिथी श्री आर.सी. जैन साहब, अध्यक्ष अ.भा.प. जैन महासभा थे। कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ. विनोदकुमार वाघे जैन तथा स्थानिक पल्लीवाल समाज के अध्यक्ष श्री अभयकुमारजी पनवेलकर थे। कार्यक्रम का दीप प्रज्वलन श्री राजेंद्र उमाठे, रायपुर, विजयकुमार वाघे, डॉ सुहास वाघे, दिपक पनवेलकर, हेमंत उमाठे, सुनिल वस्मतकर आदि ने किया। कार्यक्रम का प्रारंभ सन्मती महिला मंडल की सदस्या श्रीमती संध्या गडेकर जैन ने मंगलाचरण तथा रुपाली उमाठे ने स्वागत गीत प्रस्तुत कर किया। अतिथीयों का स्वागत शॉल, श्रीफल एवम मोमेंटो देकर किया गया। अतिथीयों का परिचय राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री शरद जैन ने किया। समाज के सचिव श्री शशिकांत बानाईत ने अहवाल वाचन प्रस्तुत किया, जिसमें उन्होने पिछले चार साल में समाज के लिए किये गये कार्यो की उपलब्धता बताई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथी श्री आर.सी. जैन ने पल्लीवाल समाज की एकजुटता व आर्थिक उन्नती के लिये समाज को बधाई दी तथा अधिवेशन की सफलता के लिए किये कार्यो की प्रसंशा की। अध्यक्ष श्री अभयकुमारजी पनवेलकर ने समाज की आर्थिक उन्नती के लिए प्रयास करने का अनुरोध किया एवं युवा वर्ग की उन्नती की सराहना की। अधिवेशन के अध्यक्ष डॉ. विनोदकुमार वाघेजी ने पल्लीवाल समाज का इतिहास बताया तथा आज से पचास साल पूर्व समाज की स्थिती व आज की स्थिती का वर्णन किया। समाज के नवोदित उद्योजक को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया तथा जेष्ठ नागरिकों का शॉल श्रीफल देकर सम्मान किया गया, साथ ही में गुणवंत विद्यार्थीयों को भी मोमोन्टो देकर सम्मान किया गया। नागपुर शाखा की ओर से जरुरतमंदो को 50 ब्लॅकेंट एवं 50 साड़ीयों का वितरण किया गया। कार्यक्रम का संचालन श्री शशिकांत बानाईत ने किया। कार्यक्रम में 450 से 500 धर्मप्रेमी उपस्थित थे। कार्यक्रम की सफलता के लिए शशिकांत बानाईत, दिपक पनवेलकर, पंकज बानाईत, डॉ. सुहास वाघे, पवन बानाईत, राहुल गडेकर जैन, सचिन उमाठे, सुनिल वस्मतार, यश उमाठे, मनिषा माठूळकर, संध्या दाणी, संध्या गडेकर, विवेक उमाठे, पवन वाघे आदि ने अथक प्रयास किये।

पत्रिका सदस्यता

2924. Sh. Manoj Kumar Ji Jain S/o Sh. Prem Chand Jain, H.No. 47, Chetan Enclave, Phase-II, Alwar-301001 *(CR D-1977)*

2925. Sh. Murari Lal Ji Jain, Railway Station Kapren, Dist. Bundi-323301, Mob.: 9929469747 *(From Patrika Fund: PF-1)*

2926. Sh. Mayank Ji Jain S/o Sh. Akshay Jain, 43, Arya Nagar, Scheme No. 1, Near Darshan Hospital, Alwar *(CR D-1978)*

2927. Sh. Kishan Chand Ji Jain, House No. 73/6, Ward No. 4, Opp. Chanchal Hotel Wali Gali, Tauru, Dist. Mewat-122105 (Haryana), Mob.: 9881256262 5 *(CR D-1979)*

2928. Sh. Paras Chandra Ji Jain, C-119, Hasan Khan Mewati Nagar, Alwar-301001, Mob.: 9414885017 *(CR D-1980)*

2929. Sh. Prem Chand Ji Jain, 4682, DiptyGanj, Sadar Bazar, Delhi-6, Mob.: 9811927832 *(CR D-1837)*

2930. Sh. Chand Babu Ji Jain, 559, Sector 15, Part-1, Gurgaon (Haryana), Mob.: 9811010698 *(CR D-1838)*

2931. Sh. Dinesh Kumar Ji Jain, E-153, Classic Apartments, Plot-11, Sector 22, Dwarka, New Delhi-110077, Mob.: 8826432223 *(CR D-1839)*

2932. Sh. Pankaj Ji Jain, 142, Delux Apartment, Vasundhara Enclave, New Delhi-110096, Mob.: 9810204976 *(CR D-1841)*

2933. Sh. Kamal Prakash Ji Jain, 11/396-A, FFI, Lalita Park, Laxmi Nagar, Delhi-110092, Mob.: 9899292042 *(CR D-1840)*

2934. Sh. R.K. Seth, E-3, NPL Colony, New Rajinder Nagar, New Delhi-110060, Mob.: 9810417871 *(CR D-1843)*

2935. Sh. Shwetanshu Ji Jain, B-22/7-8, Double Storey, Ramesh Nagar, Delhi-110015, Mob.: 9560680066 *(CR D-1844)*

2936. Sh. Prakash Chand Ji Jain, E-135,/5, Hari Nagar Extension, Jaitpur, New Delhi-110044, Mob.: 9311877066 *(CR D-1845)*

2937. Sh. Vijay Kumar Ji Jain, 2/48/1, Sadar Bazar, Delhi Cantt-110010, Mob.: 7011005261 *(CR D-1846)*

पत्रिका सहायता

★ **श्री अनूप चन्द जी जैन मनीष जी जैन (खोह वाले)** आगरा ने चि. सचिन जैन संग सौ.कां. पायल जैन के दिनांक 17.12.18 को सम्पन्न शुभ विवाहोपलक्ष पर पत्रिका के लिए रु. 500/– सप्रेम भेंट किये। *(र.सं. डी–1924)*

★ **श्री राजेन्द्र कुमार जी जैन (आगरा वाले)** निवासी 3/552, काला कुंआ, अलवर ने अपनी धर्मपत्नी श्रीमती शारदा जैन की पुण्य स्मृति में रु. 1100/– सादर भेंट किये। *(र.सं. डी–1983)*

विधवा सहायता

★ **श्रीमती रेखा जी जैन एवं श्री गिरीश जी जैन,** 6/338, एस.एफ.एस. मानसरोवर, जयपुर ने अपने सुपुत्र प्रतीक जैन व प्रियांशु जैन के जन्मदिन के उपलक्ष पर विधवा सहायता हेतु रु. 12000/– भेंट किये। *(र.सं. 4180)*

★ **श्री राजेन्द्र कुमार जी जैन (आगरा वाले)** निवासी 3/552, काला कुंआ, अलवर ने अपनी धर्मपत्नी श्रीमती शारदा जैन की पुण्य स्मृति में रु. 2100/– सादर भेंट किये। *(र.सं. 4182)*

★ **श्रीमती संगीता जी जैन** निवासी 4/170, काला कुंआ, हा. बोर्ड, अलवर ने अपने पति स्व. श्री पवन कुमार जी जैन की दि. 6.2.2019 को प्रथम पुण्य तिथि पर रु. 6000/– सादर भेंट किये। *(र.सं. 330)*

★ **श्री आशीष जी जैन** पुत्र श्री अजीत कुमार जैन, 1डी39, काला कुंआ हा.बोर्ड, अलवर ने रु. 12000/– सादर भेंट किये। *(र.सं. 325)*

★ **श्री महावीर प्रसाद जी जैन** (मुबारिकपुर वाले) 455, लाजपत नगर, स्कीम 2, अलवर ने रु. 12000/– सादर भेंट किये। *(र.सं. 329)*

★ **श्रीमती सुषमा जी जैन पार्षद** धर्मपत्नी श्री संदीप जैन, सेक्टर 7, आगरा ने रु. 12000/– सादर भेंट किये। *(र.सं. 328)*

★ **श्री अनिल जी जैन बजाज,** कमला नगर, आगरा ने रु. 12000/– सादर भेंट किये। *(र.सं. 327)*

★ **श्री बाबू लाल जी जैन** (नौगांवा वाले) पालम, नई दिल्ली ने अपने पूज्य माताजी स्व. श्रीमती सोमोती देवी जी जैन की पुण्य स्मृति में रु. 12000/– सादर भेंट किये। *(र.सं. 326)*

महासभा सहायता

★ **श्री अनूप चन्द जी जैन मनीष जी जैन (खोह वाले)** आगरा ने चि. सचिन जैन संग सौ.कां. पायल जैन के दिनांक 17.12.18 को सम्पन्न शुभ विवाहोपलक्ष पर महासभा सहायता हेतु रु. 500/– सप्रेम भेंट किये *(र.सं. 4181)*

★ **श्री मनीष जी जैन,** 37बी, कबीर कुंज, दयाल बाग, आगरा ने अपनी माताजी स्व. श्रीमती मीना जी जैन की स्मृति में महासभा सहायता हेतु रु. 500/– सप्रेम भेंट किये *(र.सं. 4447)*

★ **श्री राकेश जी जैन** (मौजपुर वाले) मालवीय नगर, अलवर ने अपनी धर्मपत्नी स्व. श्रीमती मिथलेश जी जैन की स्मृति में महासभा सहायता हेतु रु. 500/– सप्रेम भेंट किये *(र.सं. 4446)*

पूज्य पिताजी स्व. श्री कपूरचन्दजी जैन व माताजी स्व. श्रीमती अंगूरी देवी जैन की
पुण्य स्मृति में

विमल चन्द जैन (रैता वाले)

ग्रुप ऑफ कम्पनीज

DEALERS & SUPPLIERS OF SILICA SAND & OTHER GLASS RAW MATERIAL

AKHIL JAIN (M) 9899823557 • ANKIT JAIN (M) 9837478564

★ The Rajasthan Silica Sand Suppliers
★ Santosh Mineral & Chemical Co.
★ S.B. Jain Mineral Enterprises
★ Super Fine Mineral Traders
★ Shree Vimal Silica Traders
★ Quality Silica Traders

128-129, गणेश नगर,
सेक्टर प्रथम,
पानी की टंकी के सामने,
फिरोजाबाद (उ.प्र.)
सम्पर्क : 098372-53305
090128-74922
05612-260096

श्री पल्लीवाल जैन सभा दिल्ली द्वारा आयोजित 48वां वार्षिक मिलन-मेले की कुछ झलकियां

महासभा के महामंत्री श्री राजीव रतन जैन एवं
महासभा के अर्थमंत्री श्री अजीत कुमार जैन द्वारा दीप प्रज्ज्वलन

कार्यक्रम में पधारे अतिथिगण

सम्मानित बच्चे

महासभा के पूर्व महामंत्री व दिल्ली शाखा के सलाहकार
श्री पदम चन्द जैन का सम्मान करते हुए

बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति

कार्यक्रम में उपस्थित जन समूह

श्री श्वेतांशु जैन सी.एम.डी. - आई.आई.सी.एस. का सम्मान करते हुए

श्री चांदबाबू जैन एवं उनकी धर्मपत्नी से मेले का उद्घाटन करवाते हुए
श्री विनोद कुमार जी जैन, संयोजक

सम्मानित बच्चे

डॉ. पवन कुमार जैन, वैज्ञानिक (भारत सरकार) हैदराबाद का सम्मान करते हुए

सौजन्य से :

राजेन्द्र-शशी जैन, विनोद-शकुन्तला जैन, निशा जैन, विमल चंद जैन *आबू रोड*, कुसुम-हरीश जी *अलवर*, सुमन-अशोक जी *आगरा*, आशीष-महक जैन (USA), गौरव-नीशू जैन, पुनीत-सुरूची जैन, आरव, प्रणवी

5405, लड्डू घाटी, पहाड़गंज, नई दिल्ली-110055, मो.: 9971845125 | BC-10D, DDA Flats, मुनीरका, नई दिल्ली-110023, मो.: 9711159909, 9711132189, 26164755 | के-84, शान्ति पुंज, बाल उद्यान मार्ग, उत्तम नगर, नई दिल्ली-59, मो.: 9810822840, 9810822844/43

मो.: 9891909666, 9717817342, Email : vinodshakun@gmail.com

With Best Compliments From

Authorised Distributor for

- ★ Johnson & Johnson Ltd.
- ★ SD. BIO SENSOR
- ★ Ortho Clinical Diagnostics
- ★ Lifescan-Division, for one touch Brand Glucometers & Strips.
- ★ Biorad Laboratories
- ★ Alere Medical
- ★ Transasia Biomedical Ltd.
- ★ LILAC Medicare

Sanjay Jain - Rajeev Jain

S.R. Enterprises

223, Bichoon Market, Kishanpole Bazar, Jaipur-302 003
Ph.: (O) 2322089, 2323903 (R) 2546017 • Fax : 0141-4022089
(M) +91-98290 12628, 94140 76265

जमाना खराब है

जी हाँ देखने मे यह शब्द भले ही छोटा लगे लेकिन आज के समय में यह शब्द हर व्यक्ति का तकिया कलाम है। आजकल हमारे आस–पास या देश दुनिया में जब भी कोई दिल दहलाने वाली घटना घटित होती है तो ऐसे में सब के मुहँ से यही शब्द निकलते हैं – क्या करें साहब जमाना ही खराब है। आज हर इंसान अपने स्वार्थ के लिए किसी भी हद तक गिर जाता है और दोष जमाने को देता है।

लेकिन क्या हम कभी सोचते हैं कि इस खराब जमाने के लिए जिम्मेदार कौन है ? सिर्फ दूसरों की गलतियाँ निकाल कर हम स्वयं को बहुत हल्का और सहज महसूस करने लगते हैं। लेकिन इस जमाने को खराब बोलने के असली जिम्मेदार भी हम स्वयं ही हैं। हम मनुष्यों की एक आदत हमेशा से रही है कि हम दूसरो की लाखों गलतियाँ पल भर में गिनाने में बडे ही महारथी हैं लेकिन हमने आज तक खुद की एक गलती स्वीकार नहीं की। और यही संकीर्ण सोच हमें जमाने को दोष देने को मजबूर करती है।

जब एक छोटा बच्चा कोई भी गलती करता है तो ऐसे में माता–पिता की जिम्मेदारियाँ दो भागों में बँट जाती है– एक माता–पिता बच्चे की उस गलती पर खुशी व्यक्त करते हैं या उस गलती को नजर अंदाज कर देते हैं, वहीं दूसरे माता–पिता उस गलती पर गुस्सा जाहिर करते हैं और बच्चे को उस कार्य के अच्छे–बुरे परिणाम भी बताते हैं तथा जरूरत पडने पर दण्ड भी देते हैं और भविष्य मे ऐसी गलतियाँ नही दोहराने के लिए भी अपने बच्चों को सही रास्ता दिखाते हैं। हो सकता है कुछ पल के लिए बच्चों को माँ–बाप की बातें बुरी लगें लेकिन ऐसा करने से बच्चों का भविष्य एक सही दिशा में जाता है और वह पुनः उन गलतियों को नहीं दोहराता।

वहीं जो माता–पिता अपने बच्चों की पहली गलती पर खुशी जाहिर करते हैं और अप्रत्यक्ष रूप से अपने बच्चों को गलतियों की पुनरावृति के लिए प्रेरित करते हैं और भविष्य में पछताने को भी वो ही मजबूर होते हैं। फिर वही हम सब का एक ही वाक्य– क्या करें साहब जमाना ही खराब है !!

आजकल एक दौर भी काफी प्रचलन में है– स्मार्टफोन का दौर। आज हर कोई स्मार्ट फोन का उपयोग खुद को स्मार्ट दिखाने के लिए करता है !आज कल माता–पिता स्मार्ट फोन का उपयोग इस हद तक करने लगे हैं कि वो अपने आस–पास परिवार और बच्चों को भी भूल जाते हैं। उनको देखकर लगता है कि उन्होंने बच्चे पैदा नहीं किये बल्कि स्मार्ट फोन पैदा किये हैं। बच्चे प्यार और परवरिश चाहते हैं लेकिन हम बच्चों से ज्यादा अपने स्मार्ट फोन से प्यार करने लगे हैं। जब बच्चे आगे चलकर नासमझी और उचित परवरिश के अभाव में कोई गलती कर बैठते हैं तब हम सब यह भूल जाते हैं कि उनकी इस गलती के जिम्मेदार हम स्वयं हैं और दोष देते हैं– जमाने को।

कहते हैं बच्चों की पहली पाठशाला उसका परिवार होता है, सही वक्त पर यदि बच्चों को उचित संस्कार दिया जाये, उनके साथ वक्त बिताया जाये और उनकी पहली गलती पर ही सही मार्गदर्शन दिया जाये तो शायद हमें कभी जमाने को दोष देने की नौबत ना आये लेकिन जब बच्चे की परवरिश ही सही ढंग से नहीं हो और संस्कारों की नींव ही कमजोर हो तो हम कैसे उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना कर सकते हैं।

अपने शब्दों को यही विराम देते हुए आखिर में सबसे यही सवाल करना चाहुँगा कि क्या वाकई में जमाना खराब है या इसको खराब करने के असली जिम्मेदार हम स्वयं हैं ?

!! सोचियेगा जरूर !!

–आयुष जैन
सी–326, सूर्य नगर, अलवर

भूल सुधार

1. श्री विजय कुमार जैन अध्यक्ष दिल्ली एवं श्री जगदीश प्रसाद जैन पूर्व कार्यकारिणी सदस्य महासभा अछनेरा द्वारा भी एक–एक विधवा सहायता देने की घोषणा की गई थी, जोकि विगत माह दिसम्बर 2018 की पत्रिका में छपे बैठक दि. 2.12.2018 के कार्यवाही विवरण में भूलवश छपने से रह गई थी। अतः इसे कार्यवाही विवरण में सम्मलित समझा जावे।

2. पत्रिका के दिसम्बर 2018 के अंक में प्रकाशित 'गांधी जी के जीवन पर जैन धर्म का प्रभाव' की लेखिका श्रीमती हेमलता जैन, फ्लेट नं. 401, प्रोमिनेस अपार्टमेंट, डी–197, बापू नगर, जयपुर है।

–सम्पादक

शोक संवेदना

श्रीमती शारदा जी जैन धर्मपत्नी श्री राजेन्द कुमार जी जैन का दिनांक 30.12.2018 को आकस्मिक निधन हो गया। श्रीमती शारदा जैन रामगढ़ अलवर निवासी श्री जोहरी लाल जी जैन की पुत्री थीं। श्रीमती शारदा जैन विदुषी एवं अत्यन्त धार्मिक श्राविका थी।

श्रीमती इन्दू जी जैन धर्मपत्नी श्री पदम चन्द जी जैन (आर.टी.ओ. वाले), बी–52, कीर्ति नगर, जयपुर का स्वर्गवास दिनांक 30.12.2018 को हो गया है। श्रीमती इन्दू जी मिलनसार, सरल स्वभाव व धार्मिक प्रवृत्ति की महिला थीं।

श्रीमती त्रिशला जी जैन धर्मपत्नी स्व. श्री चाँदकरन जी जैन, आगरा का स्वर्गवास 74 वर्ष की आयु में दिनांक 22.10.2018 को हो गया है। श्रीमती त्रिशला जी मिलनसार, सरल स्वभाव व धार्मिक प्रवृत्ति की महिला थीं।

श्री धर्मचंद जी जैन सेवानिवृत्त अध्यापक (नये गॉव वाले) हाल निवासी खेडली (अलवर) हाई स्कूल के पीछे का स्वर्गवास दिनांक 18.01.2019 को हो गया है। श्री धर्मचंद जी बहुत ही सरल एवं मृदुभाषी स्वभाव के थे।

श्री कांति स्वरुप जी जैन सुपुत्र स्व. श्री नरेश चंद्र जी जैन गिरदावर रूपवास का आकस्मिक निधन 44 वर्ष की उम्र में दिनांक 11.12.2018 को हो गया है। वे तहसील रूपवास में पेशे से स्टांप वेंडर थे बहुत ही सरल एवं मृदुभाषी स्वभाव के थे।

श्रीमती गोदावरी जी जैन धर्मपत्नी स्वर्गीय श्री सुगनचंद जी जैन निवासी नया बास लोहा मंडी आगरा का दिनांक 24.12.2018 को स्वर्गवास हो गया है। श्रीमती गोदावरी जी सात प्रतिमा धारी धार्मिक महिला थीं। उन्होनें नैत्रदान भी किया। वे मिलनसार व सरल स्वभाव की महिला थीं।

डॉ. हरीश चंद जी जैन, एस–10, पियूष पथ बापू नगर, जयपुर का स्वर्गवास दिनांक 01.01.2019 को हो गया है। श्री हरीश चंद जी बहुत ही सरल एवं मृदुभाषी स्वभाव के थे।

श्रीमती सन्तोष जी जैन धर्मपत्नी श्री सतीश चन्द जी जैन (अलीपुर वाले) खेड़ली का स्वर्गवास दि. 15.01.2019 हो गया है। श्रीमती सन्तोष जी मिलनसार, सरल स्वभाव व धार्मिक प्रवृत्ति की महिला थीं।

अ.भा.प.जैन महासभा के पूर्व महामंत्री एवं पत्रिका के पूर्व संयोजक श्री राजेन्द्र प्रसाद जी जैन का निधन

अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा के पूर्व महामंत्री एवं श्री पल्लीवाल जैन पत्रिका के पूर्व संयोजक श्री राजेन्द्र प्रसाद जी जैन मथुरा का दिनांक 21 जनवरी 2019 को स्वर्गवास हो गया।

श्री राजेन्द्र प्रसाद जी जैन के आकस्मिक निधन पर एक शोक सभा आयोजित की गयी। इस शोक सभा में पल्लीवाल जैन महासभा के पूर्व अध्यक्ष श्री महावीर प्रसाद जैन एडवोकेट ने अपने विचार व्यक्त करते हुये कहा कि श्री राजेन्द्र प्रसाद जी एक धार्मिक प्रवृत्ति के व्यक्ति थे उन्होंने अपने जीवन पर्यन्त तक श्री दिगम्बर जैन सिद्व क्षेत्र चौरासी मन्दिर की बतौर महामन्त्री सेवा की तथा पल्लीवाल जैन महासभा के विस्तार हेतु कार्य किया और अपने जीवन पर्यन्त तक जैन समाज के उत्थान के लिये कार्य करते रहे । उनके निधन से समाज को अपूर्णनीय क्षति हुई है। इस शोक सभा में श्री मुकेश जैन, राजीव जैन उर्फ राजू राजीव जैन उर्फ बन्टी, अमित कुमार जैन एडवोकेट, उमेश जैन व विनोद जैन आदि उपस्थित रहे और सभी ने अपनी शोक श्रद्धांजलि अर्पित करते हुये कहा कि भगवान महावीर से प्रार्थना करते हैं कि उनकी आत्मा को शान्ती प्रदान करें तथा इस संकट की घड़ी में उनके परिवार को दुख को सहन करने की शक्ति दे।

अ.भा.प.जैन महासभा के पूर्व महामंत्री श्री सुरेश चन्द जी जैन का निधन

अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा के पूर्व महामंत्री श्री सुरेश चन्द जी जैन दिल्ली का निधन हो गया है। श्री सुरेश चन्द जी जैन द्वारा महासभा के प्रारम्भिक काल में किए गये उल्लेखनीय कार्यों के लिए सदैव याद किये जाते रहेगें। अ.भा.प. जैन महासभा श्रद्धांजलि अर्पित करते हुये भगवान महावीर से प्रार्थना करती है कि उनकी आत्मा को शान्ती प्रदान कर इस संकट की घड़ी में उनके परिवार को दुख को सहन करने की शक्ति दे।

अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा उपरोक्त सभी के देवलोक गमन पर अपनी हार्दिक सम्वेदना प्रकट करते हुऐ भगवान महावीर से प्रार्थना करती है कि उपरोक्त दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान दें।

अहंकार है अँधियारा समर्पण है उजियारा

कैकेयी की आँखें अश्रुओं से भीगी हुई थीं। उनके मुख से स्वर भी काँपते हुए निकल रहे थे। मुख पर विषाद की रेखा और अंतस् में ग्लानि का भाव था। वे इसी भाव को लिए भगवान राम के सम्मुख उपस्थित होने जा रही थीं। मन–ही–मन उन्हें लग रहा था कि वे किस मुख्य से प्रिय श्रीराम का सामना करेंगी। एक समय जिस मुख से उन्होंने श्री राम के लिए महाराज दशरथ से वनवास माँगा था, आज उसी मुख से कैसे उनके सम्मुख अपने मन की वेदना व्यक्त करूँगी ?

मन–ही–मन वे सोच रही थीं कि उस समय उनके मन पर ऐसी क्या दुर्बुद्धि छा गई थी, जिसके परिमाणस्वरूप उनके मुख से निकले शब्दों के कारण महाराज दशरथ को प्राणों का त्याग करना पड़ा, भगवान श्रीराम को सीता व लक्ष्मण सहित वर्षों तक वनवास के व राक्षसराज रावण से युद्ध जैसे भीषण समय को सहना करना पड़ा और स्वयं उनका पुत्र भरत भी उनसे दूर हो गया। ये सारे विचार उनके मन में झंझावात की तरह चल रहे थे। कहीं अनजाने में एक भय भी था कि न जाने श्रीराम उनके साथ किस तरह का व्यवहार करें ?

अपने मन में तूफान को समेटे हुए, काँपते हुए शरीर व ग्लानि से भरे मन के साथ वे भगवान श्रीराम के सम्मुख उपस्थित हुई। अभी कल ही तो भगवान श्रीराम लंकाविजय करके सीता व लक्ष्मण के साथ अयोध्या पधारे थे। सारी अयोध्या नगरी एक उत्सव के माहौल में डूब–सी–गई थी। नगर के सभी नागरिक, चाहे वे युवा हों या वृद्ध, चाहे वे बच्चे हों या महिलाएँ–सभी इस उत्सव के रंग में रंगकर स्वयं को धन्य महसूस कर रहे थे।

ऐसे समय में किसी दुःखद विषय पर चर्चा करना कैकेयी को उचित तो नहीं लग रहा था, परंतु उनके मन पर भार ही इतना ज्यादा था कि उन्हें लगा कि यदि इस समय वे अपने प्रिय श्रीराम से इन भावों को व्यक्त नहीं करेंगी को कहीं कुछ दूसरा अनर्थ न कर बैठें। बहुत ही सकुचाते हुए भावों के साथ वे राजदरबार पहुंचीं। उनके पहुँचते ही सभी की दृष्टि उनकी ओर उठ गई।

जो शंका भाव कैकेयी के मन में था, वह भाव राजदरबार में उपस्थित अन्य सदस्यों के मन में उत्सुकता बनकर प्रकट हो रहा था। सभी यह जानना चाहते थे कि भगवान श्रीराम, कैकेयी के साथ किस तरह का व्यवहार करेंगे ? कुछ को लगा कि वे कहीं क्रोध में उन्हें प्राणदंड का आदेश ही न दे डालें तो कुछ ऐसा सोचते थे कि भगवान श्रीराम भले ही कैकेयी को कोई क्रूर दंड न भी दें तो भी उन्हें, उनको एक उचित दंड देने का अधिकार तो अवश्य है।

परंतु वहाँ जो घटा, वह सबकी आशाओं व आशंकाओं के विपरीत था। स्वयं कैकेयी भी श्रीराम से ऐसे व्यवहार के लिए तैयार न थीं। कैकेयी को दरबार में प्रवेश करते देख भगवान श्रीराम अपने स्थान से उठे और 'माँ' कहते हुए उनकी ओर बढ़ चले। उन्होंने कैकेयी को राजकक्ष में प्रवेश करने से पूर्व ही रोक सा लिया व उनके चरणस्पर्श करते हुए उन्हें अपने हाथों का सहारा देते हुए दरबार में ले आए व सर्वोच्च आसन पर बिठा कर इस तरह से सम्मान दिया, मानो वे उन्हीं की प्रतीक्षा में वहाँ बैठे हों।

इतना प्रेमपूर्ण व सम्मानजनक सत्कार पाकर कैकेयी तो बिलख ही पड़ीं। बड़ी मुश्किल से उनके मुख से इतना ही निकल पाया –'नहीं श्रीराम! मैं इतने सम्मान की अधिकारी नहीं हूँ। तुम्हारी ही नहीं, मैं पूरी अयोध्या की अपराधी हूँ, मेरे कारण तुमने, सीता ने और लक्ष्मण ने ही नहीं, वरन अयोध्या की सारी प्रजा ने इतने सारे वर्षों तक अनेक कष्टों को सहा है। मुझे दंड दो, पुरस्कार नहीं।'

प्रत्युत्तर में भगवान श्रीराम हलका–सा मुस्कराए और बोले–''माँ ! व्यक्ति तो मात्र कर्मो का परिणाम प्रदान करने का माध्यम बन जाता है, शेष सब काल की इच्छा से ही घटता है। आपके मुख से जो निकला, यदि वह न निकला होता तो आज आर्यावर्त को असुरता के आतंक से मुक्त कर पाना संभव न हो पाता। यह दंड नहीं पुरस्कार योग्य ही कार्य है।''

भगवान श्रीराम के शब्द धीरे–धीरे गंभीर हो रहे थे। वे आगे बोले –माँ! सामान्य क्रम में हम लोग व्यक्ति को किसी कार्य का कारण समझते हैं और उससे प्रतिशोध लेने की या उसका प्रत्युपकार करने की सोचते है, जबकि इस सृष्टि के शाश्वत सत्यों में से एक सत्य यह है कि मनुष्य जीवन में तो परिस्थितियाँ मिलती है, वो उसके द्वारा पूर्व में कृत शुभ व अशुभ कर्मों के कारण ही मिलती हैं। कुछ हमारे पूर्वसंचित कर्म थे, जिनका परिणाम हमें दिलाने के लिए उस दिन माँ सरस्वती आपकी जिह्वा पर आ बैठीं और इतनी कल्याणकारी प्रार्थना आपके मुख से

निकल पड़ी, जिससे समूची मानवता का कल्याण ही हो गया।''

भगवान श्रीराम के शब्दों में गंभीरता थी और साथ ही एक अद्भुत प्रेम भी। भावनाएँ सकरात्मक होती है तो प्रेम बन जाती है और प्रेम, पवित्रता से जुड़ता है तो एक अद्भुत प्रभाव सुनने वाले पर छोड़ता है। यदि भगवान श्रीराम के शब्द मात्र शब्द होते तो उनके द्वारा रानी कैकेयी के मन के भार को हलका कर पाना संभव न था, पर उनके द्वारा कहे गये शब्द इतनी आत्मीयता के साथ सिक्त थे कि रानी कैकेयी ने दशकों पुराने अपने के भार को सहजता से हलका होता अनुभव किया।

वे बोलीं–'' श्रीराम ! तुम्हारे इस प्रेम ने मेरे मन के भार को तो हलका कर दिया है, परंतु अब मैं स्वयं को इस राजमहल में रहने का अधिकारी नहीं पाती हूँ। इतने वर्षो तक मात्र तुम्हें दोबारा देखने की उत्कट अभिलाषा थी, जिसके कारण अब तक यहाँ रुकी रही, परंतु अब वन को जाना चाहती हूँ। जीवन के अंतिम वर्षों में अंतस् में बोध जग जाए, यही एकमात्र कामना है।

भगवान श्रीराम बोले–''यदि आपकी ऐसी इच्छा है तो आपके रोकूँगा नहीं, परंतु यह कहूँगा कि यदि आप आत्मज्ञान की अभिलाषा रखती हैं तो मार्ग में पड़ने वाले खेत में भ्रमण कर रही भेंड़ों से एक बार वार्तालाप करके देखें, संभवतया वे ही किसी महत्वपूर्ण ज्ञान का स्रोत बन जाएँ। मैं लक्ष्मण से कह देता हूँ, वे आपको सुरक्षित वन तक छोड़ आएंगे।'' लक्ष्मण के वन तक पहुँचने की बात तो कैकेयी समझ सकीं, परन्तु भेड़ों से वार्तालाप करने की बात को सुनकर उन्हें ऐसा लगा कि माने श्रीराम ने उनसे कोई परिहास किया हो। उन्होंने यह सोच कर मन को समझाया कि संभव है उनके परिहास में भी कोई गंभीर सत्य सन्निहित हो।

अगले दिन लक्ष्मण ने भगवान श्रीराम के दिए निर्देश का अक्षरशः पालन किया। उन्होंने अपना रथ निकलवाया, सारथी के स्थान पर स्वयं बैठे और रानी कैकेयी को लेकर वन की ओर चल निकलें। कैकेयी ने चलते समय लक्ष्मण से पूछा –'पुत्र लक्ष्मण! क्या श्रीराम ने तुमसे कोई संकेत किया है ? मैं भेड़ों से वार्तालाप करने की उद्देश्य समझ नहीं पा रही हूँ।'' लक्ष्मण बोले –'माँ! मेरे लिए तो वे प्रभु समान है। मैं उनके कहे के उद्देश्य को जानने का प्रयत्न कभी नहीं करता, मात्र उनके कहे को पूरा करने की सोचता हूँ। उन्होंने कहा है तो जरूर कोई उद्देश्य उसमें सन्निहित होगा। आप चिंता न करें।''

लक्ष्मण के शब्दों से रानी कैकेयी को थोड़ी सांत्वना मिली। जैसा निर्दिष्ट था, वैसा पालन करते हुए लक्ष्मण ने रानी कैकेयी को मार्ग में पड़ने वाले खेत में लेजाकर खड़ा कर दिया। यहाँ कुछ भेड़ें चर रही थी। कैकेयी उनके पास जाकर एक पत्थर पर बैठ गई और उन्हें ध्यान से देखने लगीं। कुछ समय के उपरांत उनकी आँखे मुंद सी गई और मन ध्यानमग्न हो गया। इस समय मात्र भेड़ों की में–में करती हुई आवाजें उनकी कानों से टकरा रही थीं।

कुछ देर यों ही बैठे रहकर वे एकदम तीव्रता से उठी और लक्ष्मण से बोलीं –'पुत्र! वापस अयोध्या चलों। जिस ज्ञान की तलाश में मैं वन जाना चाहती थी, वह भगवान श्रीराम ने मुझे यही खेत में उपलब्ध करा दिया है। आज ये भेंड़े ही मेरी गुरु बन गई हैं। मैं राम को धन्यवाद देना चाहती हूं कि आज उन्होनें मेरे मन में ज्ञान का द्वारा खोल दिया है।''

अयोध्या पहुंचते ही रानी कैकेयी, भगवान श्रीराम से पास पहुंची और नतमस्तक होते हुए बोली –'पुत्र! तुमने आज मुझे शाश्वत ज्ञान का अधिकारी बना दिया। मैं समझ गई हूँ कि समस्त अज्ञान के मूल में अहंकार ही है। यह 'मैं–मैं' का भाव ही जीवात्मा को जन्म–जन्मांतरों तक भटकाता है। जितना ज्यादा अहंकार बढता है, उतने ही अधिक अज्ञान के मार्ग जीवन में खुलते हैं। जिस दिन हम इस मैं' को भूल कर उस परमपिता परमात्मा को समर्पित हो जाते हैं, उस दिन हृदय से सच्ची प्रार्थना का उदय होता है। यही सच्चा ज्ञान है।' रानी कैकेयी का मुख आनंदमग्न था और भगवान श्रीराम उन्हें जीवन की दिशा दिखाते हुए धीमे से मुस्करा रहे थे।

अ.भा. श्री जैन रत्न हितेषी श्रावक संघ की गंगापुर सिटी की शाखा की नवीन कार्यकारिणी का मनोनयन

दिनांक 29.12.2018 को अ.भा. श्री जैन रत्न हितेषी श्रावक संघ की गंगापुर सिटी की शाखा की नवीन कार्यकारिणी का मनोनयन, सर्वसम्मति से किया गया। जिसमें श्री जितेन्द्र सिंह जैन रिटायर्ड थानेदार को अध्यक्ष, श्री राकेश कुमार पल्लीवाल को शाखा मंत्री तथा श्री धर्मेश कुमार जैन को कोषाध्यक्ष पद पर मनोनीत किया गया है।

श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संस्थान हिण्डौन सिटी की नवीन कार्यकारिणी का गठन

दिनांक 16.12.2018 को जैन रत्न हितैषी श्रावक संस्थान नई मण्डी हिण्डौन सिटी की नवीन कार्यकारिणी का गठन श्री धर्मचंद जी जैन की अध्यक्षता में एवं सभी श्रावकगणों की उपस्थिति में सर्वसम्मति से निम्न प्रकार किया गया :–

अध्यक्ष– श्री अशोक कुमार जैन, मंत्री– श्री धर्मचंद जैन, उपाध्यक्ष– श्री महावीर प्रसाद जैन, कोषाध्यक्ष– श्री कैलाश चंद जैन, संगठन मंत्री– श्री पूरन चंद जैन, स्टोरकीपर– श्री हेमचंद जैन, कार्यकारिणी सदस्य– 1. श्री प्रकाश चंद जैन, 2. श्री अजय कुमार जैन, 3. श्री मनोज कुमार जैन, 4. श्री अजीत कुमार जैन, 5. श्री संजय जैन, 6. श्री सतीश चंद जैन।

बारहवीं पुण्यतिथि पर शत्-शत् नमन करते हुऐ भावपूर्ण श्रद्धांजलि

स्व. श्री मुलतान चंद जी जैन
(खोह, अलवर)
देवलोक गमन : 19 जनवरी 2007

हम सब परिजन आपके प्रेरणादायक जीवन व आदर्शों को हृदयस्थ रखते हुए श्रद्धासुमन अर्पित करते हैं।

श्रद्धावनत

पुत्र-पुत्रवधु :
सुमति चंद जैन-किरण जैन
श्रीचंद जैन-सविता जैन

भतीजे :
धर्मचंद जैन, अनिल जैन, *शाहदरा*
अनुपम जैन, *जनकपुरी, देहली*
राजेन्द्र कुमार जैन, राकेश कुमार जैन
बड़ के बालाजी, जयपुर

पड़पौत्री :
भानवी, इतांसी, श्रुवि

पड़ दोहिती, दोहते :
आयुषी, दिव्या, मीनल, आद्या,
तुषार, अद्यांश, अद्विक

भ्राता-भ्राता वधु :
प्रकाशचंद जैन-आशा जैन
जनकपुरी, देहली

बहनोई :
श्री रतन लाल जी जैन, मण्डावर

पौत्र-पौत्रवधु :
मनीष जैन-रेणु जैन
विजय जैन-श्रुति जैन
अजय जैन-कविता जैन

पौत्री-पौत्री दामाद :
नीरू जैन-श्री सुरेश चंद जैन,
परवैणी वाले, जयपुर
रचना जैन-श्री अजीत कुमार जैन,
मण्डावर वाले, जयपुर
शालु जैन-श्री पंकज जैन,
भरतपुर वाले, जयपुर
प्रीती जैन-श्री अमित जैन,
अजमेर

निवास : 110, अशोक विहार विस्तार, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर
फोन : 0141-2502760, 9414784754

श्री महावीराय नमः

7वीं पुण्यतिथि पर भावपूर्ण श्रद्धांजलि

स्व. श्रीमती विनोद कुमारी जी जैन

(स्वर्गवास : 20 फरवरी 2012)

धर्मपत्नी : **श्री विनय कुमार जैन,**

पुत्रवधु : **श्री वैनी प्रसाद जैन (मलपुरा)**

हम सभी परिवारजन आपको स्मरण करते हुए श्रद्धापूर्वक नमन करते हैं।

श्रद्धावनत

पुत्र-पुत्रवधु :
पंकज जैन-अन्जू जैन
अशोक-कीर्ति जैन

पौत्री :
वानिषा, हर्षिता, यशस्वी,
तनु, कृति, मनु, आगम

पुत्री-दामाद :
सीमा-सुरेन्द्र कुमार जैन
वीना-पारस जैन

देवर-देवरानी :
दिनेश-विमला जैन
राकेश-सरोज जैन
अजति-वीना जैन

निवास

प्रथम मंजिल सुपर मार्केट, एन.टी.सी. गेट,
चर्च के पास, रावतभाटा
फोन-01475-235768, 9414185965
9460742828, 8058092999

Shradhanjali

Late Shri Kapoor Chand Ji Jain

Late Smt. Shanti Devi Ji Jain

fondly remembered by

Son and Daughter in law :

Ashwani and Seema Jain

Daughter and Son in law :

Late Sudha Jain - Sudhir Kumar Jain

Suman Jain - Santosh Jain

Sushma Jain - Nishid Jain

Grandson :

Devank Jain - Ashwat Jain

Firm :

★ **Riddi Siddi Commercial Complex,** ***Alwar***

★ **KS Creators,** ***Jaipur***

Residence :

"Navkar" 24-A, Surya Nagar, Ganesh Marg, Gopalpura Byepass, Jaipur-302015

Ph.: 0141-2503944, Mob.: 9829012013, 9413345046, 9460060807

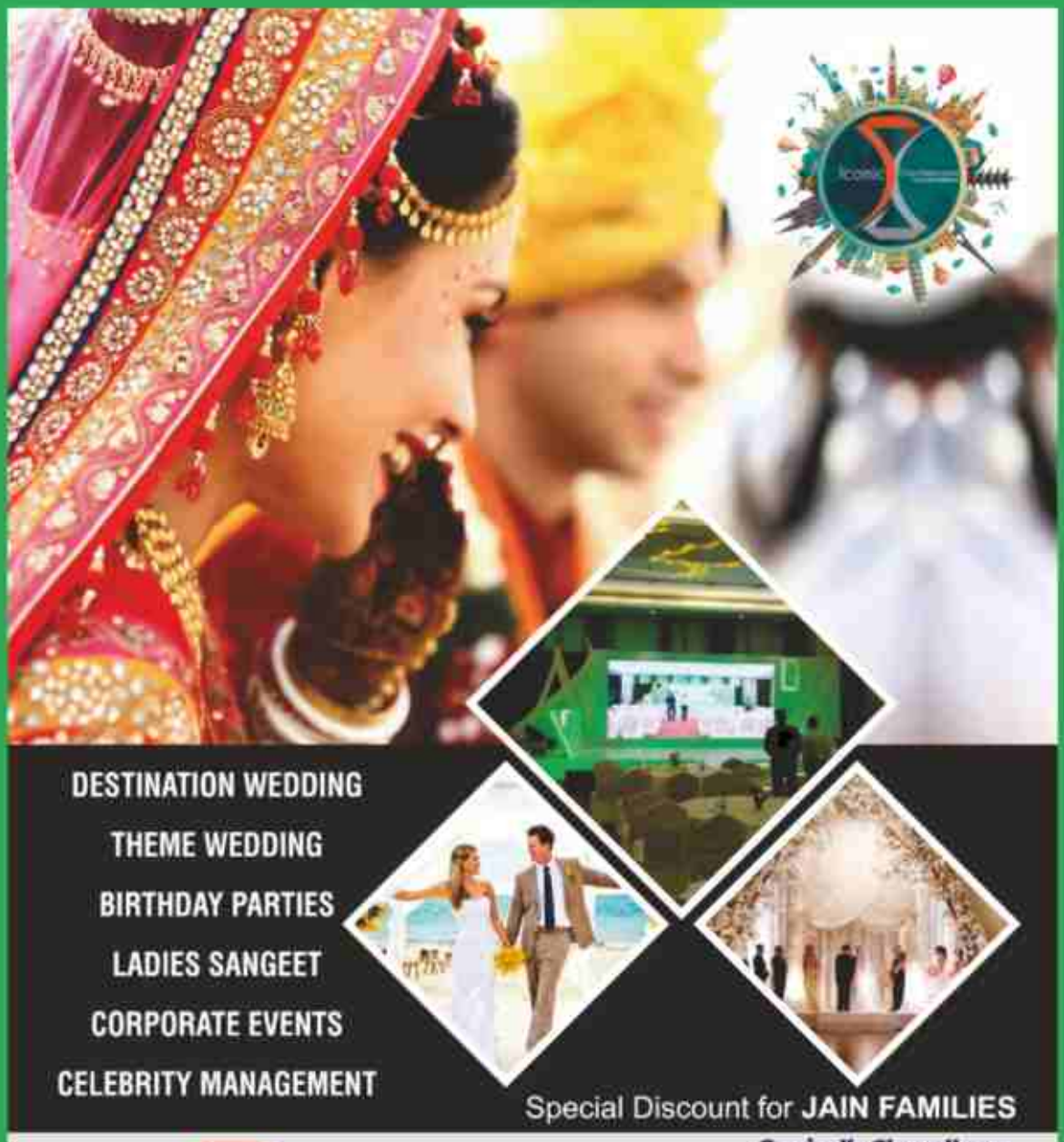

Govindh Choudhary
+91-96101 06312

Gaurav Jain
+91-92510 12772

Iconic Entertainment
Events with intellegence

Weddings and Corporate Events

mail : hello@iconicentertainment.in WEB : www.iconicentertainment.in

Shubham Jain
9173803117

NAKODA FABRICS

Knitted Fabrics Dealer

42/43, Opp. Shiv Sagar Appartment, B/h. Arya Samaj Building, Saijpur Bogha, Ahmedabad-382345

Rajendra Jain
9924222840, 8866753872

NAKODA SALES

Mfg. of : Under Garments

42, Vikas Estate, Anil Starch Mill Road, Bapunagar, Ahmedabad-380024

भावभीनी श्रद्धांजलि

स्व. श्री नित्यकिशोर जी जैन
(स्वर्गवास : 24 अप्रेल 2001)

स्व. श्रीमती द्रोपती जैन
(स्वर्गवास : 26 जनवरी 2017)

श्रद्धावनत

पुत्री-दामाद :
राजरानी-अनिल कुमार जैन *मंडावर*
पौत्री-दामाद :
चंचल-मनीष जैन *अलवर*
भूमिका-दिलीप जैन *अलवर*
कामना-अतुल जैन *मेंहदीपुर बालाजी*

पुत्र-पुत्रवधु :
जगदीश प्रसाद जैन-रीता जैन
पूर्व केन्द्र कार्यकारिणी सदस्य ग्रामीण, आगरा
विनोद कुमार जैन-अर्चना जैन
जवाहरलाल-प्रीती
पवन कुमार-जौली

विवेक जैन-तनु *(पौत्र-पौत्रवधु)*
राहुल जैन-अल्पना *(पौत्र-पौत्रवधु)*
अभिषेक, मोहित, अंकित, आकाश, अर्पित *(पौत्र)*
पूजा *(पौत्री)*

जैन फोटो स्टेट एण्ड स्टूडियो, भरतपुर रोड
अछनेरा, आगरा, दूरभाष : 9758310839

जैन प्रोवीजनल स्टोर, भरतपुर रोड
अछनेरा, आगरा, दूरभाष : 9557547628

जैन पान एवं प्रोवीजनल स्टोर, भरतपुर रोड
अछनेरा, आगरा, दूरभाष : 9837316219

जैन मेडिकल ऐजेन्सी, फुव्वारा
आगरा, दूरभाष : 9897970355

अरदाया वाले अछनेरा, आगरा (उ.प्र.)

वैवाहिकी

सूचना

1. पत्रिका में प्रकाशित वर/वधू की तलाश के अंतर्गत विवरण की सत्यता से सम्पादक अथवा पत्रिका का किसी भी प्रकार का दायित्व नहीं हैं। वर/वधू दोनों पक्ष पूर्ण जानकारी अपने स्तर से करने के बाद ही संबंध स्थापित करें।
2. पात्रों के विवरण में आयु के स्थान पर जन्मतिथि तथा आय चार/पांच अंको में, के स्थान पर वास्तविक आय लिखें।

नोट : प्रकाशन योग्य सामग्री एवं संबंध होने की सूचना पत्रिका संयोजक को प्रषित करें जिससे आगामी अंक में विज्ञापन का प्रकाशन किया जाये या न किया जाये।

वर की तलाश

★ **कृति जैन** पुत्री श्री अनिल कुमार जैन, जन्मतिथि 17.11.1994 (प्रातः 3:52, फ़िरोज़ाबाद), कद 5'–3'', रंग– गोरा, शिक्षा– एम.बी.ए. (एच.आर.), गोत्र : स्वयं– बारोलिया, मामा– गंगवाल, संपर्क : 58ए/36/1बी, जैन मंदिर के पीछे, ज्योति नगर, अर्जुन नगर, आगरा– 282001, मो.: 9837662521, 9897492759 *(जनवरी)*

★ **पूजा जैन** (आंशिक मांगलिक) पुत्री स्व. वैद्य हरीश चन्द जैन, जन्मतिथि 01.12.1991 (जयपुर), कद 5'–4'', शिक्षा– बी.टेक. (आई.टी), सर्विस– एम.जे.आर.पी. यूनिवर्सिटी, जयपुर, आय– 3 लाख वार्षिक, गोत्र : स्वयं– काशमीरिया, मामा– खैर, संपर्क : 100ए, शिव अपार्टमेंट, शिव कॉलोनी, मोती नगर (प.), जयपुर, मो.: 9460434404, 9950997919 *(जनवरी)*

★ **Seema Jain** D/o Sh. Dinesh Chand Jain, DoB 06.03.1990, Height- 5'-2", Education in CA, Gotra : Self- Belanvasia, Mama- Bhatariya, Contact : B-34, Ashok Vihar, Karamchari Colony, Alwar, Mob.: 7891002125, 9461774268, Email : jain2218@gmail.com *(Nov.)*

★ **Surbhi Jain** D/o Sh. Trilok Chand Jain, DoB 14.03.1993 (at 8:30AM, Mandawar Mahuwa Road, Dausa), Height- 5ft., Education B.Com and PGDBO, Working in Axis Bank, Vapi as Asst. Manager, Gotra : Self- Badwasia, Mama- Baderia, Contact : P-705, Phase-5, Pramukh Vihar, Silvassa, D&NH, Mob.: 9924284699, 9460990201 *(Nov.)*

★ **Pinky Jain** D/o Sh. Anil Jain, DoB 12.11.1994 (at 9:48am), Height 5'-1", Education- M.Sc. (Botany), Gotra : Self- Chandpuria, Mama- Lohkarodia, Contact : B-33, Janakpuri New, Shahganj, Agra, Mob.: 9897012342 *(Nov.)*

★ **Komal Jain** D/o Sh. S.K. Jain, DoB 10.02.1991, Height 5'-4", Education- M.Com., CS, Occupation- Mayur Unicoators Ltd. Jaipur as Company Secretary, Gotra : Self- Chaudhary, Mama- Athwarsia, Contact : 91/16, Patel Marg, Mansarovar, Jaipur, Mob.: 9530026423 *(Nov.)*

★ **Tanvi Jain** D/o Sh. Devendra Kumar Jain, DoB 21.06.1993 (at 10:10 am, Jhansi), Height- 5'-3", Fair complexion, Education- MBA (Finance) from Jaipuriya Management Lucknow, Working as a Tax Consultant in Deloitte High Tech City, Hyderabad, Packege- 6 LPA, Gotra : Self- Chandpuria, Mama- Mymunda, Contact : 124, Ratan Pura, Nagra, Jhansi (UP), Mob.: 94509343577 *(Nov.)*

★ **Shraddha Jain** D/o Sh. Vinay Kumar Jain, DoB 29.06.1995 (at 11:25 am, Firozabad), Height 5'-3", Colour Whitish, Education- M.Sc., B.Ed., DNHE Diploma in IGNOU, CCC Computer Course, Gotra : Self- Kotiya, Mama- Padmavati Porwal, Contact : 71A, Kalakunj Colony, Bodala, Agra, Mob.: 9058492565, 9760764808 (Whatsapp) *(Nov.)*

★ **Tanuja Jain** D/o Sh. Vinod Kumar Jain, DoB 17.07.1986 (at 05:25 am, Firozabad (UP)), Height: 4'- 11", Education: B.Tech (CS), Occupation: Currently Working as Sr. SAP Success Factors (SAP HR Cloud) Specialist, Basedat, Mob.: 9412160859, 7060443607 *(Dec.)*

★ **Divya Jain** D/o Sh. Naresh Chandra Jain, DoB 11.04.1994 (at 10:35 am, Anand, Gujarat), Height 5'-4", Education- Bachelors in Computer Engineering, Working in Private Company in Ahemdabad, Gotra : Self- Sarang, Mama- Thakuria, Contact : 17, Krishana Park Society, Chavdapura, Jitodia Road, Anand, Gujarat, Mob.: 8200605454, Whatsapp No : 9427549521, Email : nareshjain6760@gmail.com *(Dec.)*

★ **Divya Jain** D/o Late Sh. Ashok Kumar Jain, DoB 23.11.1994 (at Hindaun), Height- 5'-2", Fair Colour, Education- M.A in Political Science, Occupation- L.D.C in RSRTC, Hindaun City, Gotra : Badwasiya, Mama- Ameshwaria, Contact : New Brahmapuri Colony, Mandawara Road, Hindaun City, Dist. Karauli, Mob.: 9694332043 *(Dec.)*

★ **Keerti Jain** D/o Late Sh. Vijay Kumar Jain, DoB 14.01.1992 (at 10:00 am, Agra), Height- 5'-3", Fair Color, Education- M.B.A (HR & Finance), Occupation- Assistant Manager (C.S.O) Axis Bank, Agra, Gotra : Self- Barbasia, Mama- Baderia, Contact : 24/165, Bagh Ram Sahai, Loha Mandi, Agra, Mob.: 6396789189, 9837201913, Email : vipuljain980@gmail.com *(Dec.)*

★ **Karishma Jain** D/o Sh. Prakash Chand Jain, DoB 05.08.1990 (at 04:00 PM, Firozabad), Height- 5'-4",

Education- B.Tech, MBA, Occupation- Working in a Management College, Kanpur, Gotra : Self- Gangerewal, Mama- Chorbambar, Contact : 23/2, S.N. Road, Firozabad, Mob.: 9837084850, 9639909320 *(Dec.)*

★ **Ekta Jain** (Anshik Manglik) D/o Sh. Satish Kumar Jain, DoB 09.12.1992 (at 00.30 AM, Gandhidham, Kutch, Gujarat), Height- 5'-1", Education- B.Ed. (Maths), M.Sc (Special Applied Maths) from The Majaraja Sayajirao University (M.S.U) of Baroda, Basic Knowledge of Computer, Working as Self Employed Teaching Running Coaching Classes at Gandhidham, Another Side Preparing CTET Examination, Gotra : Self- Sarang, Mama- Malesari, Contact : Sh. S.K. Jain, D-60, IFFCO Colony, Udaynagar, Gandhidham (Kutch), Gujarat, Mob.: 9909720580, Ph.: 02836-229878, 255360 E-Mail : skjain@iffco.in, satish1960jain@gmail.com *(Dec.)*

★ **Arpita Jain** D/o Sh. Gopal Jain DoB 25.06.1991 (at 10.35 am, Jaipur), Fair Complexion, Height 5'-2", Education- M.Sc Chemistry, MNIT College, Jaipur, Working as Self Employed Teaching Running Coaching Classes, Gotra : Self- Bhamariya, Mama- Bharkolia, Contact : 432, Rajni Vihar, Aimer Road, Jaipur-302024, Ph.: 0141-2354378, Mob.: 9413042927,9460474389 *(Dec.)*

★ **Akanksha Jain** D/o Sh. R.C. Jain, DoB 03.08.1990, Height 5'-5", Education- B.Tech. (Computer Science), Profession- Officer in Nationalised Bank, Gotra : Self- Pavatia, Mama- Saraf, Contact : 1-D-17, Chopasani Housing Board, Jodhpur-342008, Mob.: 9828453230, Email : jain21rc@gmail.com *(Jan.)*

★ **Lipi Jain** (Anshik Manglik) D/o Sh. Nalin Kumar Jain, DoB 10.11.1992 (at 2:38pm, Jaipur), Height 5'-3", Education- B.Tech. (Computer Science), Profession- Working in Private Company in Jaipur, Gotra : Self- Ladodiya, Mama- Maimuda, Contact : 425, Devi Nagar, New Sanganer Road, Jaipur, Mob.: 9460765484, 9460434712 *(Jan.)*

★ **Pushpanjali Jain** D/o Sh. Ashok Jain, DoB 05.08.1989 (at Alwar), Height 5'-5", Education- M.Tech (Electronics), Gotra : Self- Choudhary Mastdangiya, Mama- Sarang Dangiya, Contact : 422, Lajpat Nagar, Scheme No. 2, Alwar-301001, Mob.: 9413024271, 9461928066, 0144-27340813, Email : ashokjainschalwar@gmail.com *(Jan.)*

★ **Surbhi Jain** D/o Sh. J.K. Jain, DoB 23.9.1993 (at 7:55am, Gangapur City), Height- 5Ft., Education- MBA (XIME Bangalore), B.Tech (RCEW, Jaipur), Gotra : Self- Rajoriya, Mama- Choudhary, Contact : E1/325, Chitrakoot, Ghandhi Path, Jaipur-302021, Mob.: 9887734133, 8769421338 *(Jan.)*

★ **Shivani Jain** D/o Sh. Santosh Kumar Jain, DoB 12.9.1996 (at 12:49 pm, Sewar Bharatpur), Height 5'-1", Education- B.A, M.A, Gotra : Self- Chorbambar, Mama- Januthariya, Contact : Ward No. 5, Main Market Sewar, Bharatpur, Mob.: 9413670707, 9784139046 *(Jan.)*

★ **Anshul Jain** D/o Late Sh. Ashok Jain, DoB 12.3.1993 (at 6:02 pm, Bharatpur), Height 5'-2", Education- M.Sc., M.Ed., Occupation- Branch Director at Santa Kidz Teaching & Running own Institute, Gotra : Self- Shalabadiya, Mama- Pawatiya, Contact : Smt. Indra Jain, C-118, Ranjeet Nagar, Bharatpur, Mob.: 8561899877, 8559995370 *(Jan.)*

वधू की तलाश

कृपया दहेज लोभी पत्रिका में प्रकाशनार्थ विज्ञापन न भेजें

★ **मयंक जैन** पुत्र श्री प्रमोद कुमार जैन (बरारा वाले), जन्मतिथि 07.08.1986 (रात्रि 9 बजे) लम्बाईः 5'–11'', शिक्षाः एमबीए, वनीत इन्फ्रास्ट्रक्चर्स एण्ड डवलपर्स प्रा.ज़ जिरकपुर चण्डीगढ़ में सीनियर रिलेशनशिप मैनेजर के पद पर कार्यरत, आय– 7 लाख प्रति वर्ष, गोत्रः स्वयं– सलावदिया, मामा– चिलिया, सम्पर्कः 43/806, श्याम नगर, एस.टी.सी. हा.बो. के पास, भरतपुर, मो.: 9413133882 *(नवम्बर)*

★ **विवेक जैन** पुत्र श्री महेश चंद जैन, जन्मतिथि 12.03.1988 (सायं 7:35 बजे, हिण्डौन सिटी), लम्बाईः 5'–9'', शिक्षाः स्नातक, प्राईवेट बैंक में सर्विस, आय– 3.25 लाख वार्षिक, गोत्रः स्वयं– आमेश्वरिया, मामा– चौरभमार, सम्पर्कः 55, विष्णु गार्डन कॉलोनी, सांगानेर थाना, टोंक रोड, जयपुर, मो.: 9460124713, 9461210084 *(दिसम्बर)*

★ **अजय कुमार जैन** पुत्र श्री अशोक कुमार जैन, जन्मतिथि 01.07.1987, लम्बाईः 5'–6'', शिक्षाः दसवीं, स्वयं का व्यवसाय, गोत्रः स्वयं– नंगेश्वरिया, मामा– बारोलिया, सम्पर्कः सरकारी अस्पताल के सामने, गढ़ी सवाईराम, अलवर, मो.: 9950019240 *(दिसम्बर)*

★ **प्राशु जैन** पुत्र श्री अनिल कुमार जैन, जन्मतिथि– 22.05.1993 (प्रातः 09:05, फ़िरोज़ाबाद), कद 5'–10'', शिक्षा– बी.कॉम, व्यवसाय– गवर्नमेंट कांट्रेक्टर, आय– 50,000/– प्रति माह, गोत्र : स्वयं– बारोलिया, मामा– गंगवाल, संपर्क : 58ए/36/1बी, जैन मंदिर के पीछे, ज्योति नगर, अर्जुन नगर, आगरा–282001, मो.: 9837662521, 9897492759 *(जनवरी)*

★ **दीपक जैन** पुत्र श्री कमल किशोर जैन, जन्मतिथि– 14.03.1989, कद 5'–5'', शिक्षा– एम.कॉम, स्वयं का व्यवसाय, गोत्र : स्वयं– डडुरिया, मामा– नंगेशरिया, संपर्क : सेवा सदन के पास, दुकान नं. 5–6, गांधी पथ, वैशाली नगर, जयपुर, मो.: 9461588831 *(जनवरी)*

★ **अंकुश जैन** पुत्र श्री कोमल प्रसाद जैन (सहसरामपुर वाले), जन्मतिथि– 26.07.1989 (प्रातः 7:54, ग्वालियर),

कद 5'–8'', शिक्षा– एमबीए, व्यवसाय– हिटाची कम्पनी इन्दौर में कार्यरत, आय– 30,000 मासिक, संपर्क : हनुमान नगर, फालका बाजार, लश्कर, ग्वालियर, मो.: 9301122024 *(जनवरी)*

★ **विवेक जैन** पुत्र श्री कोमल प्रसाद जैन (सहसरामपुर वाले), जन्मतिथि– 29.08.1988 (प्रातः 9:40, ग्वालियर), कद 5'–8'', शिक्षा– बीबीए, एलएलबी, व्यवसाय– ग्वालियर नगर निगम में कार्यरत, आय– 30,000 मासिक, संपर्क : हनुमान नगर, फालका बाजार, लश्कर, ग्वालियर, मो.: 9301122024 *(जनवरी)*

★ **Dinesh Jain** (Manglik) S/o Sh. Nirmal Kumar Jain, DoB 10.05.1991 (at Ajmer), Height 5'-10", Education- B.Tech. (Hons.), Occupation- Software Engineer at Banglore (British Telecom), Income- 23 LPA, Gotra : Self- Bahatria, Mama- Rajnaik, Contact : A-17, Anupam Vihar, Balaji Residency, Gandhi Path (W), Vaishali Nagar, Near Nymph Academy, Jaipur, Mob.: 9829180215, 6376320944 *(Nov.)*

★ **Sagar Jain** S/o Sh. Ravi Kumar Jain, DoB 16.09.1989 (at 8:45pm, Agra), Height 176 cms., Education- Post Graduate, Occupation- Working as a Sr. Credit Executive (Auditor) at Shriram Transport Finance Company Ltd., Gotra : Self- Kayre, Mama- Rajoria, Contact : 29, Laxman Nagar, Arjun Nagar, Agra, Mob.: 9411625480, 9412652888, Ph.: 0562-2303855 *(Nov.)*

★ **Prateek Jain** S/o Sh. Upendra Kumar Jain, DoB 05.06.1989 (at 11:30pm, Agra), Height- 5'-9", Fair & Smart, Education- B.Com., MBA, CCNA Network Certification, Occupation- Working as a Relationship Manager in PNB Loan Dept. Agra, Income- 4 LPA, Gotra : Self- Mayimuda, Mama- Januthariya, Contact : B-11, Ground Floor, Shri Tulsi Magic, Awadhpuri, Agra, Mob.: 8171189085, 9319130112, 9717793853 *(Nov.)*

★ **Mayank Jain** S/o Sh. Trilok Chand Jain, DoB 19.02.1991 (at 3:30PM, Mandawar Mahuwa Road, Dausa), Height 5'-7", Education MBA Finance (Distance) from Welinker, Working in Classic Marble Company Pvt Ltd. as an Accounts Executive, Income- 25,000/-PM, Gotra : Self- Badwasia, Mama - Baderia, Contact : P-705, Phase-5, Pramukh Vihar, Silvassa, D&NH, Mob.: 9924284699, 9460990201 *(Nov.)*

★ **Himanshu Jain** S/o Late Sh. Ashok Jain, DoB 08.11.1990, Height- 5'-10", Occupation- Govt. Courses run by N.G.O. College by J.N.U. admission, Contact : Smt. Indra Jain, C-118, Ranjeet Nagar, Bharatpur, Mob.: 8561899877 *(Nov.)*

★ **Ashish Jain** S/o Sh. Prahalad Kumar Jain, DoB 09.09.1991 (at 2:26 pm), Height- 5'-7", Education- M.Com., Job- Baroda Uttar Pradesh Gramin Bank as a Cashier (Govt. Job), Gotra : Self- Salavadiya, Mama- Maleshwari, Contact : 58A/36, Jyoti Nagar Khera Road, Agra-282001, Mob.: 8958104100, 9457465443, 8439689998 *(Nov.)*

★ **Siddharth Jain** S/o Sh. Subodh Kumar Jain, DoB 29.12.1992 (at 10:10 am, Delhi), Height- 6'-1", Education- B.Tech (Electronics and Communication), Occupation- Manager (Techno-Legal Research Analysis), Sagacious Research , Gurgaon, Income- 13 LPA, Gotra : Self- Janutharia, Mama- Bhordangiya, Contact : Palam Colony, New Delhi-110045, Mob.: 8010195442, Email : siddjain29@gmail.com, subodh060660@gmail.com *(Nov.)*

★ **Nilesh Jain** S/o Sh. Rajendra Kumar Jain, DoB 30.6.1985 (at 1:22 pm, Ajmer), Height- 5'-8", Education- M.Com., Occupation- Working as a Cluster Head at NBFC (Finance) Co. Pvt. Ltd. Jaipur, Income- 7 LPA, Gotra : Self- Maimunda, Mama- Chorbambar, Contact : 11/40, Kaveri Path, Mansarover, Jaipur, Mob.: 9983444198, 9928954688 *(Nov.)*

★ **Dheeraj Jain** S/o Sh. Mahendra Jain, DoB 28.06.89 (at 10:10pm, Morena), Height 5'-8", Fair Colour, Education- M.A, B.Ed, PGDCA, Occupation- Self Business Readymade Garments and Canvas, Income- 5 LPA, Gotra : Self- Nagesuria, Mama- Bajaj, Contact : Sadar Bazar, Mishra ji ka Katra, Dheeraj Garments, Joura, Mob.: 9685164063, 7049169073 *(Nov.)*

★ **Shashank Jain** S/o Shri Devendra Kumar Jain, DoB 02.07.1991 (at 03:59 AM, Rawatbhata, Kota), Education- B.Tech (Mech.), MBA from IBS Hyderabad, Occupation- Managing Director Lemaric Ceramic at Hubli (Karnatakta), Gotra : Self- Barolia, Mama- Amesheriya, Contact : Sh. D.K. Jain, Project Engineer, RAPP, Rawatbhata, Mob.: 9413346539, 9414940675, Email : ushajain20a@gmail.com *(Nov.)*

★ **Shubham Jain** S/o Sh. Rajendra Kumar Jain, DoB 24.07.1994 (at 02.00 am, Nagaur), Height 5'-10", Education- B.com, Occupation- Business (Hosiery Cloth Mfg.), Income- 10 LPA, Gotra : Self- Baderiya, Mama- Lehdodiya, Contact : 29, Avkash Society, B/H. Navlakkha Bunglow, Bapunagar, Ahmedabad, Contcat : (W) 9924222840, 8866753872, (W) 9067349501, 7201053106 *(Nov.)*

★ **Sourabh Jain** S/o Sh. Pooran Chand Jain, DoB 11.05.1990, Height 5'-5'', Education- B.Tech, Working as a Asst. Operation Manager in Eagle Software India Pvt. Ltd. (Eagle Press Group), Gotra : Self- Chaurbambar, Mama- Daduriya, Contact : Nahar Road, Shankar Mill, Gangapur City, Sawaimadhopur, Mob.: 9460031137, 7878483546, Email : skjain11590@gmail.com *(Nov.)*

★ **Abhishek Jain** S/o Sh. Vinod Jain, DoB 15.02.1989, Height: 5'- 8", Education: B.Sc. Hotel Management,

Occupation: Supervisor in Hotel Denada, Jaipur, Contact: Peli Kothi, Near Jain Mandir, Mohalla Gopalgarh, Bharatpur, Mob.: 9414714418, 9511540040 *(Dec.)*

★ **Piyush Jain** (Anay Jain) S/o Sh. Kedar Chand Jain, DoB 01.05.1986 (at 05:45 am, Alwar), Height: 5'- 7", Education: M.Com, Diploma in Industrial Computer Accountant, Occupation: Sr. Accountant in Constriction Company, Income: 4.20 LPA, Gotra: Self- Choudhary, Mama- Salavadiya, Contact: 429, Vijay Nagar, Alwar, Mob.: 9314490659, 9351409005 *(Dec.)*

★ **Abhishek Jain** S/o Sh. Mahesh Chand Jain, DoB 08.11.1988 (at 11:17 pm), Height: 6'- 1", Education: B.Com, M.Com, MBA (Finance), CA Final (Pursuing), Occupation: Working as Credit Manager in AU Small Finance Bank Ltd. Jaipur, Income: 4.25 LPA, Gotra: Self- Baroliya, Mama- Sangarwasi, Contact: B-262, Hari Marg, Malviya Nagar, Jaipur, Mob.: 9414044422, 9414775486, Email: abhijn8@gmail.com *(Dec.)*

★ **Abhishek Jain** S/o Sh. Ravi Jain, DoB 26.01.1993 (Mathura), Height: 5'- 9", Education: B.Com (Hon.), CA, Occupation: Working with Deloitte & Touch AERS India Pvt. Ltd., Gurgaun, Income: 9.00 LPA, Gotra: Self- Kotia, Mama- Jindal, Contact: 204, Ashoka Tower, Dampier Nagar, Mathura (UP), Mob.: 9412529460, 9456683555, Email: ravi.jain1965@yahoo.com *(Dec.)*

★ **Kshitij Jain** S/o Sh. Satish Chand Jain, DoB 25.10.1989 (at 6:45 AM, Delhi), Height 5'-11", Education- MCA, Working in an IT MNC in Noida, Salary Rs. 9.50 LPA, Gotra : Self- Vairashtak, Mama- Januthariy, Contact : F-1202, Pearl Court, Ramprastha Greens, Vaishali, Ghaziabad, Ph.: 9871981382, Email : sjainchand@gmail.com *(Dec.)*

★ **Rahul Jain** S/o Sh. Satish Chand Jain, DoB 09.08.1990 (at 9:40 AM, Bharatpur), Height 5'-3", Education- Sr. Secondary and ITI, Private Service, Gotra : Self- Naulathiya, Mama- Kashmeeria, Contact : Sh. Satish Chand Jain, Grain Merchant, Atal Bandh, Bharatpur, Mob.: 8386812090, 9414854248 *(Dec.)*

★ **Pankaj Jain** S/o Sh. Pushpendra Kumar Jain, DoB 10.05.1992 (at 5:00 am, Baragma, Hindaun City), Height- 6ft., Fair Complexion, Education- MCA, Working with Samachar Jagat, Jaipur as Android Developer, Gotra : Self- Bhorandangiya, Mama- Baderiya, Contact : 6375896409, 9785798607, Email : prashantjain.0109@gmail.com *(Dec.)*

★ **Manish Jain** S/o Sh. Diwan Kapoor Chand Jain, DoB 09.05.1988 (at 01:10 pm, Alwar), Height- 5'-8", Education- B.Tech (ECE) from NIT Jaipur, Gold Medlist, Presently working as Sr. Lead UI/UX Associate at Noida, Package 30.5 LPA, Gotra : Self- Amiya, Mama- Chaudhary, Contact : Diwano ki Haweli, Opp. Baderia Padi ki Gali, Alwar, Mob.: 8094258290, 9783565383, 7303079218, Email : manish9may@gmail.com *(Dec.)*

★ **Sparsh Jain** S/o Sh. Sunil Kumar Jain, DoB 16.08.1989 (at 4:30pm, Kherli), Height 5'-3", Education M.Com & Company Secretary, Working in M/s. Dhabriya Polywood Ltd. Jaipur as Company Secretary, Gotra : Self- Kotia, Mama- Dhati, Contact : B-48, Vidhya Nagar, Jagatpura, Jaipur, Mob.: 9660255730, Email : skjainb48@gmail.com *(Dec.)*

★ **Alankrit Jain** S/o Sh. Jagdish Prasad Jain, DoB 04.08.1990 (at 03:12 PM, Agra), Height 5'-11", Education- B.Com, Occupation- Own Business (Trading of Imported TinPlate Sheets & Manufacturing of Tin Factory Product), Income- 8 to 10 LPA, Gotra : Self- Salavadia, Mama- Deveriya, Contact : Sh. J.P. Jain, F-823/6, Kamla Nagar, Agra, Mob.: 9412261738, Email : atc1987@rediffmail.com *(Dec.)*

★ **Abhiyank Jain** S/o Sh. Rajesh Jain, DoB14.11.1989, Height- 5'-8", Education- RedHat Certified System Engineer and Administratior, Cisco Certified Network Associate (USA), Occupation- Working as Technical Support Engineer at Motisons Jewellers, Jaipur, Income- 4 LPA, Gotra : Self- Ledoriya, Mama- Chandpuriya, Contact : Sh. Swaroop Chand Jain, 962, Kissan Marg, Barkat Nagar, Tonk Phatak, Jaipur, Mob.: 9351537837 (Rajesh Jain) *(Dec.)*

★ **Kapil Kumar Jain** (Sonu) S/o Sh. Dinesh Chand Jain, DoB 04.03.1993 (at 11:30 am, Jaipur), Height- 5'-5", Education- Polytechnic Diploma (Mechanical Engineering), Occupation- Working in Private Company in Jaipur, Income- 2.40 LPA, Gotra : Self- Kher, Mama- Nangesariya, Contact : 245, Shiv Colony, Mehandipur Balaji (Dausa), Mob.: 9829428416, 9784761984, 8955011011 (Whatsapp) *(Dec.)*

★ **Abhishek Jain** S/o Sh. Rajesh Kumar Jain, DoB 18.04.1991 (at 9:20 AM, Alwar), Height- 5'-10", Education- B.Tech (IT), MBA, Working in an IT MNC in Jaipur, Salary 8.50 LPA, Gotra : Self- Kashmeeria, Mama- Maimunda, Contact : Flat G-102, P.N. 43, Sudha Enclave, New Sanganer Road, Jaipur, Mob.: 8561964776, 9413923531, Email : jainabhi1804@gmail.com *(Dec.)*

★ **Kanishk Jain** S/o Sh. Prakash Chand Jain, DoB 16.02.1989 (at 09:05 AM, Firozabad), Heigh- 5'-11", Education- B.Com, MBA, Occupation- Working in RAPL LTD., Delhi, Income 12 LPA, Gotra : Self- Gangerewal, Mama- Chorbambar, Contact : 23/2, S.N. Road, Firozabad, Mob.: 9837084850, 9639909320 *(Dec.)*

★ **Arun Kumar Jain** (Neeraj Jain) S/o Sh. Kamlesh Kumar Jain, DoB 12.10.1989, Height- 6 Feet, Fair Complexion, Education- MCA, Job- HDFC Bank,

Jaipur as a BDM (Business Development Manager), Gotra : Self- Baroliya, Mama- Slabadiya, Contact : Dilip Colony, Ramghar Road, Mahuwa, Dist. Dausa-321608, Mob.: 9413969571, 6375931722 *(Dec.)*

★ **Vaibhav Jain** (Aanshik Manglik), S/o Late Sh. Subhash Chand Jain, DoBirth 19.10.1987 (at 5:10 AM, Alwar), Height- 5'-8", Education- B.Com, M.B.A. (Finance), Occupation- Manager, Lakshmi Vilas Bank, Income- 7 LPA,Gotra : Self- Aameshwari, Mama- Kashmeria, Contact : Sh. Sudhanshu Jain, 1/658, Kala Kuan, Housing Board, Alwar, Mob.: 94142 77217, 99830 29065, Email : sudhanshujain.lic@gmail.com *(Dec.)*

★ **Mohit Jain** S/o Sh. Devendra Kumar Jain, DoB 25.01.1991 (at 10:35 AM, Guna), Height- 5'-11", Education- MBA, M.Com, Occupation-Agency of "BWW Global Pvt Ltd" for Rajasthan, & online Business, M.I. Road, Jaipur, Earning- 6-7 LPA, Gotra : Self- Athvarsiya, Mama- Nangeshvaria, Contact : Pathankibari, Station Road, Antah, Baran-325202 (Raj.), Mob.: 9352682233, 8955315420, Email : jainneha8590@gmail.com *(Dec.)*

★ **Ashish Jain** S/o Sh. Pawan Kumar Jain, DoB 01.04.1990 (at 1:55 PM, Kota), Height- 5'-5 ½", Education- B.Tech.(Civil), Occupation- Project Engineer in renowned Construction Co. at Daman (UT), Income- 6.30 LPA, Gotra : Self- Chaurbambar, Mama- Kathumaria, Contact : 36, Basant Vihar Special, Behind Modi College, Kota-324009, Mob.: 9829242662, 6376463993, Email : pawankumarjain56@yahoo.com, pawan42662@gmail.com *(Dec.)*

★ **Harsh Jain** S/o Sh. Arvind Kumar Jain, DoB 29.12.1985 (at 9:35PM, Ajmer), Height 5'-10", Fair Complexion, Education- MCA, Working in Linde India Pvt. Ltd. as SAP Consultant (Soft. Eng) in Kolkata, Package 9 LPA, Gotra : Agariya, Contact : 7737332584, 9929230968 (Whatsapp), Email : arvindkumarjaincms@gmail.com, harshjainmca29@gmail.com *(Dec.)*

★ **Rahul Jain** S/o Sh. Sheel Kumar Jain, DoB 18.11.1989 (at 7:20 AM, Mandawar), Height 5'-8", Education- B.Tech. in Civil, Working as a Technical Officer, in AU Small Finance Bank, Jaipur, Gotra : Self- Kotiya, Mama- Kashmiriya, Contact : Sh. Sheel Kumar Jain, Mahuwa Road, Mandawar, Mob.: 9414035417, 8952868726 *(Dec.)*

★ **Nishant Jain** (Manglik) S/o Sh. Anil Kumar Jain, DoB 23.12.1992 (at 7:40 am, Modinagar), Height- 5'-8", Fair Complexion, Education- M.Com., MBA, Profession- Business, Income- 40,000/-, Contact : Shivpuri Gali No. 3, Niwari Road, Modinagar, Ghaziabad, Mob.: 9412350925, 9927205793 *(Dec.)*

★ **Ankur Jain** S/o Sh. R.C. Jain, DoB 11.07.1988, Height 5'-11", Education- B.Tech. (Electronics & Communication), Profession- Software Engineer in Multi National Company, Income- 16 LPA, Gotra : Self- Pavatia, Mama- Saraf, Contact : 1-D-17, Chopasani Housing Board, Jodhpur-342008, Mob.: 9828453230, Email : jain21rc@gmail.com *(Jan.)*

★ **Ankush Jain** S/o Sh. Narendra Kumar Jain, DoB 06.07.1988 (at Agra), Height 5'-6", Education- B.Com., MBA in Marketing, Profession- Working in Samsung India Pvt. Ltd., Agra, Income- 4 LPA, Gotra : Self- Gangaria, Mama- Rajoria, Contact : 39/11-B, Krishnapuri, Ghari Bhadoria, Pratap Nagar, Agra-10, Mob.: 9910444959, 9997565600 *(Jan.)*

★ **Abhishek Jain** S/o Sh. Anil Jain, DoB 22.03.1988 (at 1:00am, Karauli), Height 5'-11", Education- B.A., M.N.A. (Master in Networking Administration) from Jetking, Surat, Profession- Technical Engineer in Hatway Internet Datacomp Ltd. Surat, Income- 4.25 LPA, Gotra : Self- Rajoria, Mama- Lohkirodiya, Contact : Seth Godam, Near Sainath Khidkiya, Karauli, Mob.: 9352058770, 9460652390 *(Jan.)*

★ **Nivesh Jain** S/o Sh. Ashok Jain, DoB 07.08.1995, Height 5'-6", Working in Punjab National Bank as a Clerk at Tizara, Gotra : Ambia, Contact : 1/225, Kala Kua Housing Board, Alwar, Mob.: 9413739054, 9950087666, 9413455347 *(Jan.)*

★ **Arihant Jain** S/o Sh. Raj Kumar Jain, DoB 08.02.1992 (at 11:11 pm, Jaipur), Height 6Ft., Education- B.Tech (Computer Science), Occupation- Associate Team Lead Working at Hyderabad with Tech Mahindra, Package: 13 LPA, Gotra : Self- Karsolia, Mama- Pavatia, Contact : 21/49, Kaveri Path, Mansarover, Jaipur, Mob.: 8005693323, 9414775720, 9414542502, Email : rajmadhu1961@gmail.com *(Jan.)*

★ **Sameer Jain** S/o Sh. Ashok Jain, DoB 20.11.1986 (at Alwar), Height 6 feet, Education- B.Tech (IT), Profession- Software Engineer, Income 4 LPA, Gotra : Self- Choudhary Mastdangiya, Mama- Sarang Dangiya, Contact : 422, Lajpat Nagar, Scheme No. 2, Alwar-301001, Mob.: 9413024271, 9461928066, 0144-27340813, Email : ashokjainschalwar@gmail.com *(Jan.)*

★ **Aakash Jain** S/o Sh. Gulab Chand Jain, DoB 01.04.1990, Height- 5'-8", Profession- Self Employee (SBI Kiosk Bank & CNC Equipment Supplier), Income- 65000/-, Gotra : Self- Baroliya, Mama- Ledodiya, Contact : 4-J-8, Gandhi Kutir, RHB, Bhiwadi, Mob.: 9950505785, 9413508801 *(Jan.)*

★ **Ankit Jain** S/o Sh. Ashok Kumar Jain, DoB 20.01.1987, Height 5'-6', Education- Bachelor of Arts, Extra Qualification- Computer Hardware & Installation, Occupation- Operation Executive in ESS KAY Fincorp Ltd., Jaipur, Salary- 24000/-pm, Gotra : Self- Khair, Mama- Kashmiriya, Contact : E-638, Ranjeet Nagar, Bharatpur, Mob.: 6376309175, 9461052948 *(Jan.)*

★ **Anuj Jain** S/o Sh. Kamal Kumar Jain, DoB 12.12.1982, Height- 5'-7", Education- B.Com, Desktop Publisher (DTP), Work- Business (Offset Printing Press), Gotra : Self- Baderia, Mama- Jaiswal, Contact : I-103, Basant Vihar, Kamla Nagar, Agra, Mob.: 9319109212, 9149246622 *(Jan.)*

★ **Vipin Jain** S/o Sh. Satish Chand Jain, DoB 08.12.1990 (at 12:05 pm, Agra) Height 5'-9" , Education - B.Tech (CS), Occupation: Working with L&T Infotech, Pune, Income- 10 LPA, Gotra : Self- Salawadia, Mama-Bhatariya, Contact : HIG-49, Sector-9, Awas Vikas Colony, Agra, Mob.: 9412723536, 9756654633 *(Jan.)*

★ **Varun Kumar Jain** S/o Sh. Rishabh Kumar Jain, DoB- 22.09.1988 (at 10:32pm, Agra), Height 5'-7", Fair, Good Looking, Education- B.B.A., PGDM & MBA , Occupation- Assistant Accountant in Roger Industries Ltd, Agra, Gotra : Self- Kashmiria, Mama- Nangesuria, Contact : H.No. 46, Laxmi Nagar, Behind Sikandra Hospital, Sikandra, Agra-282007, Mob.: 9897705251, 9027643375, 9897929854, Email : tarun.9000@ yahoo.co.in, varunj23@gmail.com *(Jan.)*

★ **Ankur Jain** S/o Sh. Manoj Kumar Jain, DoB 01.12.1991 (at 10:56pm), Height- 5'-10", Fair Colour, Education- B.A., Business- Readymade Garments, Gotra : Self- Angriya, Mama- Jibriya, Contact : Mo. Chipeti Atrauli (Aligarh-202280), Mob.: 9997341040 *(Jan.)*

★ **Pallav Jain** S/o Sh. Vimal Kumar Jain, DoB 02.07.1991, Height 5'-11.5", Education- B.Tech. (EEE) SRM University Modinagar Campus, Occupation- Field Service Engineer with Thermo Fischer, Gotra : Self- Ameshwari, Mama- Badwasiya, Mob.: 9460421858 (Father), 9811940448 (Sister), Email : vimaljain41@yahoo.co.in *(Jan.)*

★ **Tarun Jain** S/o Sh. Santosh Kumar Jain, DoB 13.9.1992 (at 6:28, Sewar Bharatpur), Height, 5'-10", Education- B.B.A, M.Com, Footwear Diploma, Profession- Quality Footwear Industries Unit Head, Gotra : Self- Chorbambar, Mama- Januthariya, Contact : Ward No. 5, Main Market, Sewar, Bharatpur, Mob.: 9413670707,9784139046 *(Jan.)*

★ **Arihant Jain** S/o Sh. Rajendra Jain, DoB 06.03.1994 (at 12:39 p.m., Morena), Height- 5'-4", Fair Complexion, Education- M.Sc., Occupation- Businessman, Income- 8.40 LPA, Gotra : Self- Vedhre, Mama- Chandpuria, Contact : Sarafa Market, Morena (MP), Mob.: 9074301610, 9425750554 *(Jan.)*

★ **Amit Kumar Jain** S/o Sh. Nav Ratan Kumar Jain, DoB 12.121985 (at 5:40 pm, Agra), Height- 5'-7", Fair & Good Looking, Education- B.Com., 'O' Level Computer Diploma, MBA From Bhopal University, Occupation- Asstt. Officer in Magalam Cement Ltd., Modak Kota, Income- 7 LPA, Gotra : Self- Kashmiria, Mama- Nangesuria, Contact : Kashra No. 238, Pilot No. 2, Near Ashopa Hospital, Gailana Raod, Sikandra, Agra-282007, Mob.: 9012194794, 9897705251, 9897931696, Email : arunjain.2244@gmail.com, mtjain498@gmail.com *(Jan.)*

★ **Vijay Jain** (DevkiNandan) (Divorcee) S/o Sh. Mahesh Chand Jain, DoB 11.11.1985 (at 12.45pm, Hindaun City), Height- 5'-8", Education- MCA (IIIM Mansrover, Jaipur) in IGNOU, Profession- Working at Triazine Software Pvt. Ltd. as Software Engineer, Income- 6 LPA, Gotra : Self- Nangesuria, Mama- Rajoriya, Contact : Near New Telephone Exchange, Siddhartha Nagar, Hindaun City, Karauli-322230, Mob.: 9468585522, Email : jain.vijay605@gmail.com *(Jan.)*

★ **Siddarth Jain** S/o Sh. Raj Kumar Jain, DoB 08.07.1993 (at 8:00 am, Bharatpur), Height 5'-10", Education- B.Tech (Mechanical), Business- Energy Annalist in Delhi, Gotra : Self- Pawatia, Mama- Mamunda, Contact : 523, Krishna Nagar, Bharatpur-321001, Mob.: 9414268226, Whats app no.: 9460737522 *(Jan.)*

★ **Sulabh Jain** S/o Sh. Satish Chand Jain, DoB 15.3.1984, Height 5'-6", Education- B.Ed, MCA, Occupation: Working in Software Company, Gotra : Self- Ambia, Mama- Salavadia, Contact : A-31, HKM Nagar, Alwar, Ph.: 0141-2731761, Mob.: 9460601259, Email : jain31satish@gmail.com *(Jan.)*

★ **Ravi Jain** S/o Sh. Pradeep Jain, DoB 12.9.1986 (at 7:30pm, Kota), Height- 5'-8'', Education : BE(Electrical), Gyanvihar, Jaipur, Job : Engineer at Hind construction Ltd., Gotra : Self- Chaurbambar, Mama- Baderiya, Contact : Behind Sarvodaya Convent School, Adarsh Colony, Kherli Phatak, Kota-324001, Mob.: 9928888727, 8209471961, Email : neetajainkota1@gmail.com *(Jan.)*

★ **Apoorv Jain** S/o Sh. Sunil Jain, DoB 11.04.1989 (at 04:29 AM, Surat), Height- 5'-11", Education : PGDM (Marketing) from AICAR Business School passed in 2012, Profession- Working in the Marketing team of Star Sports, Mumbai, Contact : M-1104, Jolly Residency, Vesu Surat -395007, Mob.: 9825616040, 9825147649 *(Jan.)*

★ **Bhanesh Jain** (Bhanu Jain) S/o Sh. Mahesh Chand Jain, DoB 27.07.1989, Height- 5'-4", Education- DRT (Diploma in Radiation Technology), Profession- Working as Radiographer in Govt. TV Hospital, Jaipur, Gotra : Self- Nangesuria, Mama- Rajoriya, Contact : Near New Telephone Exchange, Siddhartha Nagar, Hindaun City, Karauli-322230, Mob.: 9413182622, Email : bhaneshjain@gmail.com *(Jan.)*

★ **Mohit Jain** S/o Sh. Anoop Chand Jain, DoB 20.06.1986 (at Agra), Height- 6Ft., Education- M.Com., MBA, Profession- Business (Oil Mill

Machine & Machinery Parts), Gotra : Self- Chaurbambar, Mama- Badwasiya, Contact : 68, Near Jeevan Jyoti Hospital, Avas Vikas Colony, Sector-1, Bodla, Agra-282007, Mob.: 9412261831, 9870978410, 8477000831 *(Jan.)*

★ **Nishank Jain** S/o Sh. Nirmal Jain, DoB 18.03.1990 (at 10:45 am, Agra), Height- 5'-8", Education- B.Tech. from BIT, Profession- TCS Now Braura Solution (Multinational Company), Package 10 LPA, Gotra : Self- Gindorabax, Mama- Ladoria, Contact : 105, Ponduriba Zero Road, Allahabad-211003, Mob.: 9451053348, 7007622378, 8318194904, 9005742086 *(Jan.)*

★ **Dr. Piyush Jain** S/o Sh. Pavan Kumar Jain, DoB 10.01.1990 (at 3:45 am, Jaipur), Height- 5'-6", Education- MBBS from SN Medical College, PG Gen. Surgery from Ajmer Medical College, Gotra : Self- Bayania, Mama- Kotia, Contact : 64/314, Heera Path, Mansarovar, Jaipur-302020, Mob.: 9460685452, 9413342332, 9829031972 *(Jan.)*

★ **Vartin Jain** S/o Sh. Sunil Kumar Jain, DoB 20.06.1990 (at 4:15 pm, Jaipur), Height- 5'-10", Education- B.Com., CA, Occupation- Working with Adidas (India) Gurgaon, Income 20 LPA, Gotra : Self- Kashmeria, Mama- Bayania, Contact : 187, Mahatma Gandhi Nagar, Ajmer Road, Jaipur, Mob.: 9829532250, Ph.: 0141-2358434 *(Jan.)*

★ **Saurabh Jain** S/o Sh. Subhash Jain, DoB 15.05.1993, Height- 5'-9", Education- B.Tech. (Computer Science) MNIT Jaipur, Occupation- Software Engineer in Active Intelligence, Banglore, Package 22 LPA, Gotra : Self- Kher, Mama- Rajoria, Contact : 10, Gangotri Nagar, Gopalpura Bypass, Jaipur-302018, Mob.: 9588074045 *(Jan.)*

* * * * *

बधाई

श्री नवीन जैन सुपौत्र श्री अमर चन्द जैन एवं पुत्र श्रीमती विमलेश जैन एवं श्री विजय कुमार जैन निवासी 5, जनकपुरी–बी, दाउदपुर, अलवर ने एमटेक की डिग्री में गोल्ड मेडल हासिल किया है। नवीन ने एमटेक की पढ़ाई जयपुर के एमएनआईटी कॉलेज से पूरी की है। वे फिलहाल भोपाल में एमईएस में जेईएन के पद पर कार्यरत हैं। अ.भा.प. जैन महासभा नवीन की इस उपलब्धि के लिए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए बधाई प्रेषित करती है।

पूज्य पिताजी एवं पूज्य माताजी की

पुण्य स्मृति में

स्व. श्री अमीर चन्द्र जी जैन *(कपड़े वाले)*
(स्वर्गवास 07-06-2009)

स्व. श्रीमती अशर्फी देवी जी जैन
(स्वर्गवास 16-10-2002)

श्रद्धावनत

पुत्र-पुत्रवधु :
विनोद कुमार जैन–सुधा जैन
पौत्र-पौत्रवधु :
निशान्त जैन (M.S.)–साक्षी जैन

पौत्री-दामाद :
मीनाक्षी–गौरव जैन
तनूजा जैन (SAP Cloud Consultant)
पड़पौत्री : रोशिका जैन

Residence :
406, Nai Basti, Sant Talkies Road,
Firozabad-283203

(M) 9412160859, 7060443607

प्रतिष्ठान :
जैन अमीर टैक्सटाइल
(जैन्ट्स क्लोथ डीलर)
रेमण्ड, रीड एण्ड टेलर एवं उच्च कोटि के सूटिंग-शर्टिंग
Shop :
47, Chandra Shekar Market
Sadar Bazar, Firozabad-283203

TRAFO POWER & ELECTRICALS PVT. LTD.
AN ISO 9001:2008 COMPANY
TRAFO
PRODUCTS
-POWER & DISTRIBUTION TRANSFORMERS
-PRESSED STEEL RADIATORS
-SPECIAL PURPOSE TRANSFORMERS
-PACKAGE SUBSTATION
CONTACT
Trafo Power & Electricals Pvt. Ltd.
C-20 Site-C U.P.S.I.D.C., Industrial Area, Sikandra,
Agra, Uttar Pradesh - 282007, India
Phone No : +91-562-3290391
Fax : +91-562-2640388
E-mail : info@trafo.co.in

KOTSONS

POWER & DISTRIBUTION

TRANSFORMERS

Export Award Winners

ACHIEVED **100%** GROWTH IN A SINGLE YEAR

KOTSONS PVT. LTD.

(AN ISO 9001 : 2008 & ISO 14001 : 2004 CERTIFIED COMPANY)
C-21, U.P.S.I.D.C., SITE- C, SIKANDRA,
AGRA - 282007 (U.P.) INDIA
Tel. : +91-562-3641818, 2641422
Fax : +91-562-2642059
e-mail : kotsons@kotsons.com
website : www.kotsons.com
Work at : Agra, Alwar & Uttaranchal

DNV

Accredited by the RvA

ISO 9001 QUALITY CERTIFIED
CERTIFICATE No. QSC-3360

RNI NO. RAJHIN/2012/47438 Postal Registration No. JAIPUR CITY/434/2019-21

RERA Registration No: RAJP/2017/279
www.rera.rajasthan.gov.in

Pearl Build Trust & Loyalty

Bring Love, Happiness and Family

almost everything

Everything else is already here.

- INDOOR GAMES
- PARTY HALL
- LIBRARY
- GYMNASIUM
- MASSAGE, STEAM, SAUNA BATH
- HOME THEATRE
- POWER BACKUP FOR COMMON AREA
- RAIN WATER HARVESTING
- CCTV COMMON AREA
- FIRE FIGHTING SYSTEM
- INTER COM FACILITY
- DTH CONNECTION
- GAS BANK FOR 1 & 2 BHK

PEARL SUNRISE RC

अपनेपन का अहसास

616	Studio Apartments
168	1 BHK Including EWS
140	2 BHK

"Pearl Sunrise RC", opp. Japanese Industrial Zone, Jaipur-Delhi Highway, NH-8, Neemrana, Rajasthan

2 Decades of Excellence | 3600 Villas + Plots | More than 500 Apartments | 22 Pearl Tower | 6 Townships

Promoter : Standford Developers (A Pearl Group Venture)

Pearl Build Trust & Loyalty

Pearl India Buildhome (P) Ltd.
"Pearl Suryavanshi", 401, A-5, Sardar Patel Marg,
C-Scheme, Jaipur - 302001, INDIA, Ph. : +91 141 4014044

Dr. Raj Kumar Jain +91 9414054745
Ar. Vijay Kumar Jain +91 9829010052

PRINTED MATTER

If Undelivered, please return to

श्री चन्द्रशेखर जैन, संयोजक
86, श्री विहार कॉलोनी होटल क्लार्क
आमेर के पीछे, जे.एल.एन. मार्ग,
जयपुर-302018 (राज.)

पत्रिका स्वामी – अखिल भारतीय पल्लीवाल जैन महासभा (रजि.) के लिए मुद्रक/प्रकाशक श्री चन्द्रशेखर जैन, 86, मगन विला, श्री विहार कॉलोनी, होटल क्लार्क आमेर के पीछे, जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर-302018 ने गणेश आर्ट प्रिंटर्स, जे-51, कृष्णा मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर से मुद्रित, सम्पादक : डॉ प्रकाश चन्द जैन।